दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 365

ग्वालियर, रविवार 25 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

इंडोनेशिया में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया में के उत्तरी प्रांत एकेह में शनिवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता भी 6 से अधिक थी। हालांकि तड़के अचानक आए भूकंप के झटकों से तत्काल किसी नुकसान की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तड़के आए भूकंप के चलते लोग अपने घरों से बाहर भागते दिखे, लेकिन बाद में उन्हें संदेश मिला कि सुनामी की चेतावनी नहीं दी गई है। गौतरलब है कि साल 2004 में एकेह प्रांत के अपटतीय क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप की वजह से कई देशों में सुनामी आई थी और करीब 2,30,000 लोगों की जान गई थी। अमेरिकी भूविज्ञान सर्वेक्षण ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर शनिवार को आए भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई और इसका केंद्र एकेह प्रांत के तटीय शहर मिज्लाबोह से 40 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में सतह से 49 किलोमीटर नीचे था। हालांकि इंडोनेशिया की मौसम, जलवायु एवं भूभौतिक एजेंसी ने कहा है कि भूकंप की तीव्रता 6.4 थी।

संयुक्त राष्ट्र में विनिटो ने पाकिस्तान को जमकर लगाई फटकार

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत मिशन पर प्रथम सचिव और भारतीय राजनयिक मिजिटो विनिटो ने भारत के खिलाफ झूठे आरोप लगाने वाले पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। यूएनजीए में मिजिटो विनिटो ने कहा कि यह खेदजनक है कि पाकिस्तान के पीएम ने इस सभा में भारत पर झूठे आरोप लगाए। उन्होंने अपने देश में दुष्कर्मों को छिपाने और भारत के खिलाफ़ कार्रवाई को सही ठहराने के लिए ऐसा किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में विनिटो ने जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर पर दावा करने के बजाय, इस्लामाबाद को सीमा पार आतंकवाद को रोकना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय की हजारों युवतियों का अपहरण एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के रूप में किया जाता है तो हम इस अंतर्निहित मानसिकता के बारे में क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं? यह खेदजनक है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए इस सम्मानित सभा का मंच चुना है। मिजिटो विनिटो ने कहा कि एक देश जो दावा करता है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है। वह कभी भी सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित नहीं करेगा, न ही भयानक मुंबई आतंकवादी हमले के योजनाकारों को अपने यहां आश्रय देगा।

बीजेपी विधायक की गाड़ी फोड़ी आरोपी की फैक्ट्री में आगजनी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के ऋषिकेश में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या के बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया है। गुस्साए लोगों ने यमकेश्वर की बीजेपी विधायक रेणु बिष्ट की गाड़ी में तोड़फोड़ की। वहीं आरोपी के रिजॉर्ट के पिछले हिस्से में स्थित फैक्ट्री में आगजनी हुई। एक दिन पहले ही आरोपी पुल्कित आर्य और उसके सहयोगी की गिरफ्तारी के बाद लोगों ने पिटाई कर दी थी। अभी ऋषिकेश में अंकिता की डेडबॉडी का पोस्टमॉर्टम चल रहा है। हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार हो सकता है। धामी सरकार ने बड़ा ऐक्शन लेते हुए आरोपी पुल्कित के पिता विनोद आर्य और भाई अंकित आर्य को बीजेपी से निकाल दिया है। इसके साथ ही अंकित आर्य से राज्यमंत्री का दर्जा छीन लिया गया है। उसे पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। ऋषिकेश के ऐम्स में अंकिता के पोस्टमॉर्टम के दौरान यमकेश्वर से भाजपा विधायक रेणु बिष्ट वहां पर पहुंचीं। लेकिन उन्हें जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ा। लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और वापस जाने से नारे लगने लगे। इसी दौरान उनकी कार का शीशा भी तोड़ दिया गया। पुलिस और प्रशासन ने किसी तरह से उन्हें बचाकर वहां से हटाया। इसी दौरान आरोपी पुल्कित आर्य के रिजॉर्ट के पीछे फैक्ट्री में आग भी लगा दी गई।

नेशनल हेराल्ड मामले में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कांग्रेस नेताओं को ईडी का नोटिस

हैदराबाद। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश और तेलंगानों के कांग्रेस नेताओं को नोटिस जारी किया है। कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं को अगले कुछ हफ्तों में पूछताछ के लिए यहां बुलाया गया है, वहीं अन्य को नोटिस दिया गया है कि वे यंग इंडियन को किए गए कुछ भुगतानों के बारे में बताएं। अधिकारियों ने बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले में चार नेताओं को नोटिस जारी किया गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने दिल्ली में ईडी द्वारा उनसे पूछताछ ?किए जाने के बाद संवाददाताओं से कहा था कि उनसे इस कंपनी के साथ अतीत में उनके द्वारा किए गए कुछ लेनदेन के बारे में पूछताछ की गई।

हिमाचल में बल्क ड्रग्स पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क बनाया जा रहा, जिससे रोजगार मिलेगा: पीएम मोदी

मंडी में वर्चुअल तरीके से रैली को संबोधित किया

मंडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खराब मौसम के कारण शनिवार को भाजयुमो की युवा रैली को संबोधित करने के लिए हिमाचल प्रदेश के मंडी नहीं पहुंच सके। हालांकि, पीएम मोदी ने अफसोस जताकर वर्चुअल तरीके से ही रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं मंडी रैली में शामिल होने वाला था, मगर खराब मौसम की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सका, मगर आने वाले दिनों में मैं निश्चित तौर पर मंडी आऊंगा और लोगों से मिलूंगा। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पीएम मोदी का मंडी दौरा काफी अहम होने वाला था, मगर खराब मौसम ने पीएम मोदी के मंडी दौरे में खलल डाल दिया।

संबोधन को आगे बढ़ाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर से लेकर कारगिल युद्ध तक हिमाचल के जांबाजों ने सर्वोच्च बलिदान देकर मां भारती का सिर ऊंचा रखा है। हिमाचल की युवा शक्ति ने हमेशा अलग-अलग मोर्चों पर देश को गौरवान्वित होने का मौका दिया है। पहाड़ी गांधी बाबा कांशी राम सहित हिमाचल के अनेक सेनानियों ने आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मौका देना, हमेशा से भाजपा की और सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री हों, सांसद हों, मंत्री हों, भाजपा देश का वहां राजनीतिक दल है जिसमें हर जगह युवाओं का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भाजपा देश के युवाओं पर हिमाचल के युवाओं पर सबसे अधिक भरोसा करती है। अब देश की युवा शक्ति मिलकर आजादी के अमृत काल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा करेगी। हिमाचल के लोग, हिमाचल के युवा भी, भाजपा सरकार की वापसी का मन बना चुके हैं। हिमाचल के युवा जानते हैं कि साफ नीयत के साथ, ईमानदार नीयत के साथ हिमाचल का विकास कोई कर सकता है, तब वहां भाजपा ही है। पीएम मोदी ने कहा कि देश में दवाओं के रॉ-मैटेरियल में आत्मनिर्भरता के लिए आज जो काम हो रहा है, उसके लिए तीन राज्यों को चुना गया है। इसमें एक अपना हिमाचल प्रदेश, जहां बल्क ड्रग्स पार्क बनाया जा रहा है। देश के चार राज्यों में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाए जा रहे हैं, उसमें भी हिमाचल एक राज्य है। भारत की अर्थव्यवस्था को, देश में रोजगार निर्माण को एक बड़ा बल जिस सेक्टर से मिलने वाला है, वहां है, हमारा टूरिज्म सेक्टर है। मैं खुद भी हिमाचल की देव संस्कृति और हिमाचल के हस्तशिल्पियों से बहुत अभीभूत रहता हूं। जल जीवन मिशन के तहत पिछले तीन वर्ष में देश के सात करोड़ से अधिक नए घरों को नल से जल मिलने लगा है। हिमाचल प्रदेश के आठ लाख से ज्यादा परिवारों को भी नल से जल की सुविधा मिली है।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही केंद्र ने एक और अहम फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हिमाचल के हाटी समुदाय को एसटी सूची में जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सिरमौर के गिरीपार क्षेत्र में रहने वाले हाटी समुदाय के हजारों युवा साथियों को इस निर्णय से अनेक अवसर मिलने वाले हैं। दरअसल, हिमाचल प्रदेश में आगमी विधानसभा चुनाव को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार की रैली काफी अहम मानी जा रही है।

बारिश के कारण रैली ने नहीं आ सका, इसके लिए क्षमाप्रार्थी हूं : पीएम मोदी

हिमाचल प्रदेश के मंडी में पीएम नरेंद्र मोदी की रैली पर बारिश ने खलल डाल दिया हैं। इसकारण पीएम मोदी का मंडी दौरा रद्द हो गया है। दरअसल बारिश के कारण फैसला हुआ की खराब मौसम की वजह से पीएम का हैलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सकता है। इसके पहले, मंडी के पड्डल मैदान में बड़ी संख्या में युवा रैली में पहुंचे हैं। मंडी में शनिवार को सुबह से ही बादल छाए हुए थे, लेकिन 12 बजे के बाद रिमझिम फुहारें पड़ना शुरू हुई। इस दौरान लोगों ने बारिश से बचने के लिए सिर पर कुर्सियां उठा लीं। इस बीच पीएम वर्चुअली रैली से जुड़कर कहा कि वह बारिश की वजह से नहीं आ सके, इसके लिए वह क्षमाप्रार्थी हैं। बारिश की वजह से मंडी में रैली में पीएम मोदी के आने पर संशय बन गया था, लेकिन बाद में मंच से सीएम जयराम ठाकुर ने यह जानकारी दी कि पीएम मोदी मंडी नहीं आ रहे हैं। वह रैली को वर्चुअली संबोधित करने वाले हैं। क्योंकि लगातार तेज बारिश के चलते रैली में खलल पड़ गया है। हालांकि, पीएम मोदी रैली में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ पहुंच चुके थे। लेकिन यहां भी मौसम खराब है हेलिकॉप्टर से उड़ान नहीं भर सका। बता दें कि चंडीगढ़ से पीएम मोदी वायुसेना के हैलिकॉप्टर से मंडी के कांगनी हेलीपोर्ट पर उतरना था। यहां पीएम मोदी का मंडी में करीब ढाई घंटे रुकने का कार्यक्रम था।

आसमानी आफत बनकर आई बरसात भूस्खलन के बाद गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक

नई दिल्ली। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश आफत बनती जा रही है। भारी बरसात के बाद लगातार हो रहे भूस्खलन की वजह से गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन द्वारा अगले दो दिनों तक

गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगाई गई है। वहीं दूसरी ओर, चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को सावधान रहने की भी हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने बारिश पर अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में अगले दिन कई जिलों के लिए बारिश पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि कुछ जिलों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, ऊधमसिंहनगर व हरिद्वार जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। उत्तरकाशी जिले में बारिश के कारण भटवाड़ी से आगे हेलगुगाड़ के पास पिछले 40 घंटों से बंद गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। राजमार्ग खुलने से जगह-जगह फंसे हजारों यात्रियों ने राहत की सांस ली।

शहबाज शरीफ के सुर में सुर मिला रहीं महबूबा मुफ्ती

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सुर में सुर मिलाती नजर आई हैं। शनिवार को उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के पीएम

ने जम्मू-कश्मीर के मसले को हल करने और दोनों देशों के रिश्तों को अच्छा करने की बात कही तो यह होना चाहिए। महबूबा ने कहा, जैसे वाजपेयी जी के समय दोनों देशों ने बैठकर बात की थी, वैसे ही दोनों देश जम्मू-कश्मीर का हल निकालें तो यह देश के लिए भी अच्छा होगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला उलझा हुआ है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर का मसला जटिल है। इसे जेल में तब्दील कर दिया गया है। यहां अब आए दिन मुठभेड़ होती रहती है। इस मसले को सुलझाना जरूरी हो गया है।% बता दें कि पीडीपी चीफ ने अनंतनाग में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए ये बाते कहीं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ फैलाने पर भारत ने फिर पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत मिशन के प्रथम सचिव मिजिटो विनिटो ने कहा कि यह खेदजनक है कि पाकिस्तान के पीएम ने इस सभा में भारत पर झूठे आरोप लगाए।

25 करोड़ की लाटरी जीतकर भी दुखी हैं अनूप, कहा मैंने मन की शांति खो दी

कोच्चि। केरल सरकार के मेगा ओणम रैफल में 25 करोड़ रुपये के प्रथम पुरस्कार के विजेता घोषित करने के ठीक पांच दिन बाद, विजेता ऑटोरिक्शा चालक अनूप का कहना है कि उन्हें अपनी जीत का पछतावा है। मैंने मन की सारी शांति खो दी है, और मैं अपने घर में भी नहीं रह सकता क्योंकि मैं उन लोगों से घिरा हुआ हूं, जो मुझे अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए मुझसे मिलना चाहते हैं। अब मैं जगह बदलता रहता हूं, क्योंकि मैंने मन की वह शांति खो दी है जिसका मैंने पुरस्कार जीतने तक आनंद लिया था। अनूप अपनी पत्नी, बच्चे और मां के साथ शहर से करीब 12 किमी दूर श्रीकार्यम में रहता है। जीत का टिकट अनूप ने स्थानीय एजेंट से अपने बच्चे की छोटी बचत पेटी को तोड़कर लिया था। कर और अन्य बकाया राशि में कटौती के बाद, अनूप को पुरस्कार राशि के रूप में 15 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। अनूप ने कहा, अब मैं वास्तव में चाहता हूं, मुझे इस नहीं जीतना चाहिए था। मैं, ज्यादातर लोगों की तरह, मुझे वास्तव में एक या दो दिन के लिए पूरे प्रचार के साथ जीतने में मजा आया। लेकिन अब यह एक खतरा बन गया है और मैं बाहर भी नहीं निकल सकता। लोग मेरे पीछे हैं और मुझसे मदद मांग रहे हैं। अनूप ने कहा, मैंने तय नहीं किया है, कि पैसे का क्या करना है और फिलहाल, मैं दो साल के लिए पूरा पैसा बैंक में रखूंगा। अब मैं वास्तव में चाहता हूं, कि मेरे पास यह नहीं होना चाहिए, इसके बजाय, पुरस्कार की राशि कम होती तो बेहतर होता।÷ अनूप को अफसोस है कि अब वह दौर आ गया है, जहां उनके जाने-पहचाने लोग दुश्मन बन जाएंगे। नाराज अनूप ने कहा, ÷मेरे पड़ोसी नाराज हैं, क्योंकि मेरे आस-पड़ोस में कई लोग बाहर से आते हैं। मास्क पहनने के बाद भी लोग मेरे चारों ओर भीड़ लगाते हैं, कि मैं विजेता हूं। मेरे मन की शांति गायब हो गई है।

अंकिता हत्याकांड- आक्रोशित भीड़ ने आरोपी रिजॉर्ट मालिक की अचार फैक्ट्री को किया आग के हवाले

ऋषिकेश। उत्तराखंड में अंकिता हत्याकांड में खुलासे के बाद आरोपियों को लेकर आमजनता में भारी आक्रोश भड़क गया है। स्थानीय लोगों ने आरोपी पुलकित आर्य के रिजॉर्ट के पिछले हिस्से को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि रिजॉर्ट के पीछे अचार बनाने की फैक्ट्री है, जो कि हत्या के आरोपी पुलकित आर्य की ही है। लोगों ने पहले यहां तोड़फोड़ की। फिर फैक्ट्री में आग लगाई। गुस्साए लोगों ने बीजेपी विधायक रेणु बिष्ट की कार में भी तोड़फोड़ कर दी। साथ ही लोग इतने गुस्से में हैं कि आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले पुलिस की गाड़ी में सवार आरोपियों को ग्रामीणों ने घेर लिया था और उनकी जमकर मारपीट की थी। घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी

वायरल हो रहे हैं। बता दें कि इससे पहले देर रात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सख्ती के बाद प्रशासन ने अंकिता हत्याकांड के आरोपी पुलकित आर्य के रिजॉर्ट पर बुलडोजर चलाया है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम के विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने बताया कि पुलकित आर्य के ऋषिकेश के वनतारा रिजॉर्ट पर बुलडोजर चलाया गया है। सीएम के आदेश पर आरोपियों की संपत्ति पर कारवाई की जा रही है।

वहीं, मामले में डीजीपी अशोक कुमार का भी बड़ा बयान सामने आया है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। अंकिता पर गलत काम करने का दबाव था। डीजीपी ने बताया कि अंकिता भंडारी पर पुलकित के भाई अंकित आर्य को स्पेशल सर्विस देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। जल्द ही इस मामले में विस्तृत खुलासा किया जाएगा। बता दें कि शनिवार सुबह यानी आज पुलिस को अंकिता का शव मिल गया है। पुलिस को अंकिता की डेडबॉडी चिल्ला पावर हाउस के पास से मिली है। फिलहाल परिजनों की मौजूदगी में शव को ऋषिकेश एम्स रेफर किया गया है।

सीएम बनने की चर्चा के बीच सचिन पायलट के जयपुर आवास पर पहुंचा बुलडोजर

जयपुर। राजस्थान के सीएम पद के प्रबल दावेदार माने जाने वाले पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सरकारी आवास पर बुलडोजर पहुंच गया। दरअसल, बुलडोजर को कचरा संग्रहण के लिए राजभवन जाना था। लेकिन वह पायलट के आवास पर पहुंच गया। सचिन पायलट निवास पर मौजूद लोगों ने उसे इसके लिए मना किया। हालांकि, बाद में पता लगा कि यह बुलडोजर राजभवन में सफाई के लिए जा रहा था, जो पायलट के निवास को राजभवन समझ गया और गलती से उसमें प्रवेश करने लगा। गलती का एहसास होने के बाद यह बुलडोजर पायलट निवास से रवाना हो गया।

पायलट निवास पर आज अजीबोगरीब घटनाक्रम से सब हतप्रभ हो गए। जब उनके गेट के बाहर एक बुलडोजर आकर खड़ा हो गया और उसने सचिन पायलट के आवास में जाने का प्रयास किया। सचिन पायलट आज सुबह से ही अपने आवास पर अपने समर्थकों से मिल रहे है। सचिन पायलट से आज गहलोत समर्थक माने जाने वाले परसराम मोरदिया और अमीन खान ने मुलाकात की है। दोनों विधायक कट्टर गहलोत समर्थक माने जाते हैं। चर्चा है कि सचिन पायलट पार्टी आलाकमान के निर्देश पर विधायकों से मुलाकात कर रहे हैं। सचिन पायलट ने दिल्ली से लौटते ही सबसे पहले कांग्रेस विधायकों से मिलना शुरू किया है। हालांकि, गहलोत समर्थक विधायक खुलकर पायलट से नहीं मिल रहे है। लेकिन कई विधायक ऐसे है जो खुलकर पायलट से मिल रहे हैं। सचिन पायलट ने विधानसभा में कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की।

यूपी में सुरक्षित नहीं बेटियां, जौनपुर और बनारस में मिली एक-एक लाश, चंदौली में मिली अर्धनग्न लड़की

वाराणसी। यूपी में योगी आदित्यनाथ सरकार की महिलाओं के प्रति जीरो टालरेंस नीति के बाद भी यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। वाराणसी और जौनपुर में एक-एक लड़की की लाश मिलने और चंदौली में बदहवासी की हालत में एक अर्धनग्न लड़की के पाए जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। शनिवार की सुबह से ही तीनों जिलों में पुलिस इन लड़कियों के गुनहगारों की तलाश में जुट गई है। चंदौली के कोतवाली क्षेत्र के कोरडिया गांव के खेत में बदहवास और अर्धनग्न हालत में मिली लड़की को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करा दिया है। लड़की तिरपाल में लिपटी हुई पाई गई थी। फिलहाल तीनों लड़कियों की पहचान नहीं हो पाई है। चंदौली में मिली लड़की के बारे में गांववालों ने पुलिस को फोन कर जानकारी दी। गांववालों का कहना है कि लड़की की हालत देखकर लग रहा है कि उसके साथ दरिंदगी हुई है। सूचना पर चंदौली के एएसपी विनय कुमार सिंह और कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जिला अस्पताल और मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। एएसपी विनय सिंह ने बताया कि

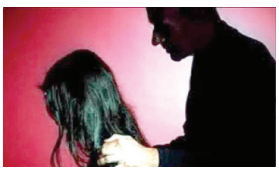

डॉक्टर लड़की के इलाज में जुटे हैं। लड़की के होश में आने का इंतजार है। उसकी पहचान कराए जाने की भी कोशिश की जा रही है। उधर, वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र के आनंदपुर गांव के पास रिंग रोड के किनारे शनिवार की सुबह साढ़े पांच बजे के करीब 22 वर्षीय एक लड़की की लाश मिली। उसकी शिनाख्त भी अभी तक नहीं हो सकी है। लड़की की लाश गड्ढे में गिरी हुई मिली। उसके मुंह से खून निकल रहा था। वही शरीर पर चोट के निशान हैं। पुलिस के मुताबिक लड़की के साथ मारपीट करके उसकी हत्या कर दी गई है। लड़की के शरीर पर कई जगह पर चोट थे। युवती के बाएं हाथ पर गोदना गोदवाया हुआ है जिसपर विजय लिखा हुआ है। पुलिस के मुताबिक युवती की हत्याकर लाश यहां फेंकी गई है। साथ ही ये भी आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या रिंग रोड के किनारे ही की गई है। पुलिस को लाश के आस-पास शराब की बोतलें, नमकीन का पैकेट समेत कई अन्य वस्तुएं मिली हैं। युवती की लाश देखकर ऐसा लग रहा है कि उसके साथ मारपीट की गई है। शनिवार की सुबह ही जौनपुर के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के झांसेपुर गांव के पास की नहर में भी एक लड़की की मिली।

न्यूज़ ट्रैक....

राष्ट्रीय टीम से खेलने बिग बैश से हटेंगी मंधाना

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमख बल्लेबाज स्मृति मंधाना अपनी फिटनेस बनाये रखने और काम के बोझ को घटाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट सकती हैं। मंधाना चाहती हैं कि वह राष्टीय टीम से खेलने के लिए फिट बनी रहें। मंधाना साल की शुरुआत से ही लगातार खेल रही हैं। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेलों के बाद मंधाना 'द हंड्रेड के लिए इंग्लैंड में ही रूक गई थीं। मंधाना ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मानसिक से ज्यादा शारीरिक प्रबंधन के बारे में है। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैं बीबीएल से हटने के बारे में सोच रही हूं क्योंकि मैं राष्टीय टीम के लिए खेलने का अवसर खोना नहीं चाहती। इसके अलावा ये भी नहीं चाहती कि टीम के लिए खेलते समय किसी प्रकार की चोट हो क्योंकि मैं अंतरराष्टीय क्रिकेट खेलते हुए अपना सौ फीसदी देना चाहती हूं। इसलिए में निश्चत रूप से मैं बीबीएल से हटने के बारे में सोचूंगी।

झारखंड से अलग हुए वरुण

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज वरुण एरॉन अब झारखंड को छोड़कर बड़ौदा की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। वरुण पिछले 18 साल से झारखंड क्रिकेट टीम से जुड़े हुए थे। वरुण को बड़ौदा में सत्र अच्छा रहने की उम्मीद है। वरुण ने आईपीएल के 15 वे सत्र में विजेता टीम गुजरात टाइटंस की ओर से खेला था। टाइटंस ने इस तेज गेंदबाज को 50 लाख रुपये में खरीदा था। इससे पहले उन्होने आईपीएल में साल 2008 से 2010 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए जबकि 2011 से 2013 तक दिल्ली डेयरडेविल्स की ओर से खेला था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, किंग्स इलेवन पंजाब, राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों की ओर से भी खेला है। एरॉन ने एकदिवसीय अंतरराष्टीय में 23 अक्टूबर 2011 को इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया था। एरोन ने तब 3 विकेट लिए थे। इसके अगले ही मैच में वरुण ने इंग्लैंड के बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक को आउट कर सभी का ध्यान खींच था।

पाक दौरे में सुरक्षा से खुश हैं इंग्लैंड के क्रिकेटर ब्रूक और हेल्स

कराची । पाकिस्तान दौरे पर गयी इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए बेहद कड़े सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। इस दौरान हर समय खिलाड़ी सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में रहे हैं। इंग्लैंड की टीम 17 साल बाद पाक दौरे पर पहुंची है , ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखना चाहता है। इंग्लैंड टीम के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने इसी को लेकर एक बातचीत के दौरान कहा, जब भी मैं टॉयलेट जाता हूं, कोई मेरा पीछा कर रहा होता है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं देखा है पर यह अच्छा लग रहा है. यहां बहुत सुरक्षित महसूस होता है जिससे हम आराम से खेल रहे हैं। ब्रूक के अलावा मेहमान टीम के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने भी यही बात कही है। हेल्स की तीन साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने इससे पहले पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान भी यहां खेला है। उन्होंने कहा, यह बहुत खास है. मैं यहां कराची में पहले भी भरे स्टेडियम में खेल चुका हूं पर इस बार माहौल अलग है। यह विश्व क्रिकेट में सबसे अच्छे माहौल में से एक है। यह एक ऐसी जगह है, जहां मैंने पिछले दोनो ही टीमों के बीच होने वाली सात मैचों की टी20 सीरीज आभी 1-1 से बराबरी पर है। इंग्लैंड ने पहला मैच जीता था पर पाक ने दूसरे मैच में जीत के साथ ही अच्छी वापसी की है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम को जीतने होंगे सभी मैच

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंच सकती है। भारत के दक्षिण अफ्रीका से अधिक अंक हैं। वह 52.08 फीसदी अंक के कारण तालिका में चौथे नंबर पर है। वहीं 53.33 फीसदी अंकों के हल्के अंतर के साथ साथ श्रीलंकाई टीम तीसरे नंबर पर है। भारत के लिए शीर्ष दो टीमों में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम के पास लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी के फाइनल से पहले खेलने के लिए केवल छह टेस्ट मैच हैं। भारत के पास खिताब का दावा करने का एक और अवसर रहेगा पर इसके लिए उसे अपने आगामी मैचों में जीत दर्ज करनी होगी।

भारतीय टीम अभी डब्ल्यूटीसी चक्र के अंत से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज और बांग्लादेश के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टीम को अपने फीसदी अंकों को बढ़ाने के साथ ही इसे 68.06 तक ले जाने के लिए सभी मैच जीतने होंगे। वहीं दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया फाइनल के लिए क्वॉलिफाई करने की बेहतर स्थिति में दिख रही है। टीम अभी 70 फीसदी अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है और उसके पास नौ गेम हैं। इसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की घरेलू सीरीज और भारत दौरे से पहले दक्षिण के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के 68 से अधिक फीसदी अंकों के साथ अपना चक्र खत्म करने की संभावना है। ऐसे में यह फीसदी अंक उसे फिनाले में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होंगे। हालांकि, अगर भारत उनके खिलाफ क्लीन स्वीप दर्ज करने में सक्षम होता है तो ऑस्ट्रेलिया 63.19 फीसदी अंकों पर आ जाएगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में जगह पक्की करने के लिए अपने आगामी पांच टेस्ट मैचों में से चार में जीत हासिल करनी होगी। इससे कम कुछ भी उन्हें खतरे में डाल सकता है। श्रीलंका वर्तमान में तालिका में भारत से आगे है, लेकिन उसके पास केवल दो मैच बचे हैं. दोनों प्रतियोगिता जीतने के बाद उसके फसदी अंक उन्हें फाइनल में ले जा सकते हैं। वहीं, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वॉलिफिकेशन की संभावना अन्य टीमों के परिणाम पर निर्भर करती है। इसके अलावा इन्हें अपने सभी मैच जीतने होंगे।

दक्षिण अफ्रीका पर इंग्लैंड की 2-1 की जीत से डब्ल्यूटीसी 2021-23 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और भी बेहतर हो गयी है। इस जीत का हालांकि इंग्लैंड पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है क्योंकि वह बांग्लादेश और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं दक्षिण अफ्रीका 60 फीसदी पीसीटी के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया को 82 अंकों के साथ शीर्ष स्थान मिला है और उसने 70 फीसदी अंकों के साथ ही पहला स्थान हासिल कर लिया है।

आजम सबसे तेजी से 8 हजार रनों के ऊपर पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बाबर ने 110 रनों की इस पारी के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। बाबर अब टी20 में सबसे तेज 8 हजार रनों के आंकड़े तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 218 पारी में यह मुकाम हासिल किया जबकि विराट ने अपने 8 हजार रन 243 पारियों में पूरे किए थे। वहीं क्रिस गेल इस सूची में पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 213 पारियों में ही टी20 में 8 हजार रन पूरे कर लिए थे। आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ पहले विकेट के लिए 200 रन बनाये। यह एक नया विश्व रिकॉर्ड है। बाबर के 110 रनों के अलावा रिजवान ने 51 गेंद में नाबाद 88 रन बनाकर अपने आलोचकों को करारा झटका दिया। बाबर और रिजवान की इस धमाकेदार बल्लेबाजी से पाक ने यह मैच जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल की है। आजम पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं थे। एशिया कप में भी वह रन नहीं बना पाये थे पर इंग्लैडं के खिलाफ उनकी शानदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों में खुशी की लहर है।

आईपीएल-2023 के लिए 16 दिसंबर तक नीलामी संभावित, सभी टीमों के पास 95 करोड़ की राशि

मुंबई । क्रिकेट के रोमांच कहे जाने वाले आईपीएल 2023 के लिए तैयारियां आरंभ हो गई हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस साल दिसंबर के मध्य में 2023 सत्र से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी आयोजित करने की योजना बना रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल नीलामी की तारीख 16 दिसंबर होने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया है कि 2023 आईपीएल सीजन के लिए संभावित कार्यक्रम पर फेंचाइजी के बीच चर्चा की गई है, जिन्हें बीसीसीआई और आईपीएल में अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत के माध्यम से इसका संकेत दिया गया था। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि, 'जाहिर है, यह एक मिनी-नीलामी होगी, लेकिन जगह अभी तय नहीं की गई है। साथ ही लीग के लिए तारीखें भी तय नहीं की गई हैं।' खिलाड़ी की नीलामी के लिए सभी टीम के पास पर्स में 95 करोड़ रुपये होगा, जो पिछले साल की नीलामी से पांच करोड़ रुपये ज्यादा है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने हाल ही में राज्य इकाइयों को लिखा था कि आईपीएल 2023 सामान्य रूप में वापस आ जाएगा, जो कोविड-19 महामारी के कारण पिछले तीन सीजनों में नहीं हुआ था। वर्ष 2020 में इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के तीन स्थानों दुबई, शारजाह और अबुधाबी में खाली स्टेडियमों में किया गया था। वर्ष 2021 में इस टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन चार स्थानों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में किया गया। लेकिन अब महामारी नियंत्रण में है और इसलिए यह लीग घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेली जाएगी। अगले साल शुरू होने वाले महिला आईपीएल पर गांगुली ने कहा, 'बीसीसीआई वर्तमान में महिला आईपीएल पर काम कर रहा है। हम अगले साल की शुरुआत में पहला सीजन शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस पर अधिक जानकारी नियत समय में होगी।' महिला आईपीएल के अलावा बीसीसीआई लड़कियों के अंडर-15 एक दिवसीय टूर्नामेंट को 26 दिसंबर से 12 जनवरी के बीच आयोजित करने जा रहा है। इसके मैच बेंगलुरु, रांची, राजकोट, इंदौर, रायपुर और पुणे में खेले जाएंगे।

कोच ने दी थी हरमनप्रीत को स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह

लंदन । कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की है। हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 111 गेंद में 143 रन बनाये। इस प्रकार 23 साल के बाद भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीती है। हरमनप्रीत के अच्छे प्रदर्शन में कोच यदविंदर सिंह सोढ़ी की अहम भूमिका रही। कोच ने कहा कि इससे पहले साल 2017 विश्वकप में हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी कर 171 रन बनाये थे। तब मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। हमप्रीत का पिछले कुछ समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा पर राष्ट्रमण्डल खेलों से उसने फिर लय हासिल कर ली। कोच के अनुसार तब भी मैंने हरमनप्रीत को सलाह थी की वह टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक शैली में खेलें। सोढ़ी ने आगे कहा कि कभी-कभी दबाव खिलाड़ियों को कुछ नया करने पर मजबूर कर देता है। बिग बैश में हरमन स्क्वायर और स्क्वायर ऑफ एरिया में रन बनाने की कोशिश कर रही थी और पैडल स्वीप की तरह शॉट खेल रही थी। मैंने उसे सलाह दी थी कि अपना आक्रामक खेल ही खेलें।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन 17 से स्पेन में होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। 17 से 30 अक्टूबर तक स्पेन के सेंटेंडर में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारत ने अपनी टीम घोषित कर दी है। अनुपमा उपाध्याय और उन्नति हुड्डा इसमें महिला वर्ग से पदक की दावेदार रहेंगी। वहीं पुरुष एकल वर्ग में भरत राघव, पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक शंकर मुथुसामी के अलावा आयुष शेट्टी उतरेंगे। कोरोना महामारी के कारण दो साल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है।

भारत ने अब तक इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन साल 2018 में कांस्य पदक के साथ ही इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले अंतिम भारतीय थे। वहीं भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, ''जूनियर विश्व चैंपियनशिप लंबे अंतराल के बाद हो रही है इसमें नए खिलाड़ियों के उभरने के साथ ही व्यापक चयन ट्रायल के बाद टीम का चयन किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें भरोसा है कि हम मिश्रित टीम चैंपियनशिप और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक के लिए मजबूत चुनौती पेश करेंगे।''

इस प्रतियोगिता की शुरुआत मिश्रित टीम स्पर्धा से होगी। इसमें भारत पुरुष और महिला युगल तथा मिश्रित युगल स्पर्धाओं में भी दो-दो जोड़ियां उतारेगा। निकोलस नाथन राज और तुषार सुवीर के साथ अर्श मोहम्मद और अभिनव ठाकुर की नई जोड़ी पुरुष युगल में उतरेंगी। वहीं महिला युगल में गोवा में अखिल भारतीय रैंकिंग प्रतियोगिता विजेता इशरानी बरुआ और देविका सिहाग के साथ तमिलनाडु की श्रेया बालाजी और श्रीनिधि एन शामिल होंगी।

व्यापारन्यूज

विदेशी मुद्रा भंडार में 5.219 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 16 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 5.219 अरब डॉलर की गिरावट आकर 545.652 अरब डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 9 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 550.87 अरब डॉलर रह गया था। 2 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में यह 7.94 अरब डॉलर घटकर 553.10 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक 16 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समाप्त हुए सप्ताह में भारत की एफसीए 4.698 अरब डॉलर घटकर 484.901 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा समाप्त हुए सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 45.8 करो डॉलर घटकर 38.186 अरब डॉलर रह गया।

कोटक में निवेश सलाहकार सीईओ होंगी लक्ष्मी अय्यर

मुंबई । कोटक समूह ने उच्च स्तर पर बदलाव करते हुए लक्ष्मी अय्यर को अपने निवेश सलाहकार कारोबार का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। मुख्य निवेश अधिकारी और संपत्ति प्रबंधन कारोबार में उत्पादों की प्रमुख अय्यर श्रीकांत सुब्रमण्यम की जगह लेंगी। सुब्रमण्यम को पहले कोटक वेरी के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। कंपनी के मुताबिक दीपक अग्रवाल अब कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (केएमएएमसी) में मुख्य निवेश अधिकारी होंगे। जबकि अभिषेक बिसेन को निश्चित आय प्रमुख नियुक्त किया गया है।

सेबी ने स्टॉक ब्रोकर का पंजीकरण रद्द किया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने ग्राहकों के धन और प्रतिभूतियों के गलत प्रबंधन को लेकर स्टॉक ब्रोकर फिक्स सिक्योरिटी का पंजीकरण रद्द कर दिया है। सेबी ने कहा कि स्टॉक ब्रोकर ने अप्रैल 2015 से जनवरी 2018 की अवधि के दौरान नियामक मानदंडों का उल्लंघन किया। बाजार नियामक ने पाया कि फिक्स ने कई अवसरों पर अपने ग्राहकों की प्रतिभूतियों का उपयोग अपने स्वयं के भुगतान के लिए किया है और ग्राहकों की प्रतिभूतियों को अन्य संस्थाओं को भी हस्तांतरित किया है। इसी आधार पर सेबी ने फिक्स सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड के पंजीकरण प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया है।

साप्ताहिक समीक्षा : शेयर बाजार में दो दिन तेजी और तीन दिन रही गिरावट

सेंसेक्स 1,020 अंक की गिरावट के साथ 58,098 पर बंद
- निफ्टी 300 अंक की गिरावट के साथ 17,327 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांच कारोबारी दिनों में से दो दिन तेजी और तीन दिन गिरावट देखी गई। शेयर बाजार सोमवार और मंगलवार को बढ़त लेकर और बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार गिरावट गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में नरम रुख की वजह से घरेलू शेयर बाजार प्रभावित हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 157.23 अंक बढ़कर 58,998.02 पर खुला और 300.44 अंक चकर 59,141.23 पर बंद हुआ। निफ्टी 49.70 अंक चढ़कर 17,580.55 पर खुला और 91.40 अंक की मजबूती के साथ 17,622.25 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स

672.06 अंक चढ़कर 59,813.29 पर खुला और 578.51 अंक की तेजी के साथ 59,719.74 पर बंद हुआ। निफ्टी 209.5 अंक बढ़कर 17,831.75 पर खुला और 194 अंक की तेजी के साथ 17,816.25 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 227.93 अंक टूटकर 59,491.81 पर खुला और 262.96 अंक टूटकर 59,456.78 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 55.05 अंक गिरकर 17,761.20 पर खुला और 97.90 अंक की गिरावट के साथ 17,718.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 483.71 अंक टूटकर 58,973.07 पर खुला और 337.06 अंक की गिरावट के साथ 59,119.72 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 137.95 अंक गिरकर 17,580.40 पर खुला और 88.55 अंक की गिरावट के साथ 17,629.80 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 319.3 अंक टूटकर 58,800.42 पर खुला और 1,020.80 अंक की गिरावट के साथ 58,098.92 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 90.8 अंक गिरकर 17,539 पर खुला और 302.45 अंक की गिरावट के साथ 17,327.35 पर बंद हुआ।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि से वस्तुओं के दाम बढ़े, गंभीर दबाव में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था

ढाका । **बांग्लादेश में ईंधन की कीमतों में** वृद्धि से भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ गए है, इससे जनता रोष और निराशा में है। वहीं देश की अर्थव्यवस्था गंभीर दबाव में आ गई है। वहीं हाल के दिनों में विपक्ष की कटु आलोचना और विरोध प्रदर्शनों की वजह से प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पर दबाव बढ़ा है। प्रदर्शनों को देखकर पीएम हसीना ने देश की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद मांगी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश की स्थिति श्रीलंका जितनी गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि श्रीलंका में अर्थव्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है, वहां लोग भोजन, ईंधन और दवाओं की भीषण कमी से जूझ रहे हैं तथा आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश भी महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, वंशवाद को लेकर जनता में रोष और व्यापार संतुलन बिगड़ने जैसी समान परेशानियों का सामना कर रहा है। इससे बांग्लादेश की वृद्धि प्रभावित हो रही है।

तेल की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ती लागत से निपटने के लिए सरकार ने पिछले महीने ईंधन की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की। इससे अन्य जरूरतों की बढ़ती लागत के कारण जनता ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने सरकारी डीलरों द्वारा चावल तथा अन्य जरूरी वस्तुओं की कम कीमत पर बिक्री का आदेश दिया। देश के वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी ने कहा कि एक सितंबर से शुरू हुए कार्यक्रम के नवीनतम चरण में लगभग पांच करोड़ लोगों की मदद होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कम आय वाले लोगों पर दबाव घटाने के लिए कई उपाय किए हैं।

नालको को 2021-22 में रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपये का लाभ

भुवनेश्वर । नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) की बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में अभी तक की सबसे अधिक 14,181 करोड़ रुपये रही। कंपनी का लाभ भी इस दौरान रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के अधिकारी ने कहा कि नालको की ओडिशा स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से भी रिकॉर्ड 4,60,000 टन एल्युमीनियम कास्ट मेटल उत्पादन हुआ। उपक्रम ने स्थापना के बाद पहली बार अपने संयंत्र का 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग हासिल किया है। नालको के प्रबंध निदेशक श्रीधर पात्रा ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित कर कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 एल्युमीनियम विनिर्माता के लिये एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। उन्होंने कहा, नालको की बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में अबतक की सबसे अधिक 14,181 करोड़ रुपये रही। कंपनी का लाभ भी इस दौरान रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपये रहा।'' बैठक में 130 प्रतिशत यानी 1.50 रुपये प्रति शेयर अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी गई।

ग्रीन एनर्जी सेक्टर में उतरेंगे मुकेश अंबानी, अमेरिकी कंपनी में करेंगे बड़ा निवेश

नई दिल्ली । दुनिया के रईसों में शुमार और भारत समेत एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी दोनों ही ग्रीन एनर्जी सेक्टर पर काफी जोर दे रहे हैं। अब अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित कैलक्स कॉरपोरेशन में बड़ा निवेश करने की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक बयान में बताया कि उसकी सब्सिडियरी रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड (आरआईएनएल) अगली पीढ़ी की सौर प्रौद्योगिकी का विकास करने वाली अमेरिकी कंपनी कैलक्स की 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए रिलायंस न्यू एनर्जी 1.2 करोड़ डॉलर यानी करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश से 'एडवांस सोलर सेल टेक्नोलॉजी' में कंपनी को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जो आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी सेगमेंट में रिलायंस को अपनी पकड़ मजबूत बनाने में मददगार साबित होगा।

मुकेश अंबानी का यह निवेश कैलक्स को प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर विकास के मौके देने के साथ-साथ अमेरिका समेत दुनिया भर के बाजारों में पैर जमाने में मदद करेगा। दोनों कंपनियों ने इसके लिए एक रणनीतिक

साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दरअसल कैलक्स, पेरोव्स्काइट-आधारित सोलर टैक्नोलॉजी के लिए जानी जाती है। कंपनी उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल बनाती है, जो 20 फीसदी अधिक ऊर्जा का उत्पादन कर सकती है। कंपनी के सोलर प्रोजेक्ट 25 साल तक बिजली पैदा कर सकने वाली टेक्नोलॉजी बनाती है और उसकी लागत भी काफी कम रहती है।

रिलायंस गुजरात के जामनगर में एक विश्वस्तरीय इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक गीगा फैक्ट्री स्थापित कर रही है। इस निवेश के साथ ही रिलायंस कैलक्स के उत्पादों का भी लाभ उठा सकेगी और अधिक शक्तिशाली व कम लागत वाले सौर मॉड्यूल्स का उत्पादन कर सकेगी। इस सौदे के लिए किसी नियामक के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। इस डील के सितंबर 2022 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने इस निवेश के बारे में कहा, कैलक्स में निवेश विश्व स्तरीय हरित ऊर्जा निर्माण ईको सिस्टम बनाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। हमारा मानना है कि कैलक्स की पेरोव्स्काइट-आधारित सोलर टेक्नोलॉजी और किस्टलीय सौर मॉड्यूल, हमें अगले चरण तक पहुंचने में मदद करेंगे। हम इसके उत्पाद विकास और इसकी प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए कैलक्स टीम के साथ काम करेंगे।

लिज ट्रक सरकार ने ब्रिटेन में कॉरपोरेट कर वृद्धि की समाप्त

लंदन । ब्रिटेन की नव नियुक्त पीएम लिज ट्रस की सरकार ने शुक्रवार को कॉरपोरेट कर वृद्धि को समाप्त कर दिया और चुनौतियों का सामना कर रही अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए बैंक अधिकारियों के बोनस की सीमा हटा दी। वित्त मंत्री क्वासी क्वार्टेंग ने संसद में मिनी बजट पेश करते हुए यह घोषणा की। ब्रिटेन सरकार आपातकालीन बजट में बताएगी कि वह कैसे करों को कम करने, बढ़ती मुद्रास्फीति पर काबू पाने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। गौरतलब है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था मंदी की आहट से जूझ रही है। ब्रिटेन की नवनियुक्त प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने कहा है कि उनकी कंजरवेटिव सरकार आर्थिक वृद्धि के साथ करों को कम करने पर जोर देगी।

बच्चों के साथ जरूर बिताएं क्वालिटी टाइम,रिश्ते बनेंगे और भी मजबूत

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता बच्चे को समय नहीं दे पाते। इसी कारण अधिकतर माता-पिता के अपने बच्चों के साथ रिश्ते खराब भी हो जाते हैं। खासकर वर्किंग पेरेंट्स के लिए बच्चों को समय देना थोड़ा सा मुश्किल हो सकता है। आप बच्चों के साथ समय बिताकर उनके दिल की बात जान सकते हैं, जितना आप बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे वो आपके उतने ही करीब आएंगे। तो चलिए जानते हैं कि कैसे आप बच्चे के साथ अपने रिश्ते और भी मजबूत कर सकते हैं...

बच्चों के साथ खेलकर बिताएं समय

बच्चे खेलने-कूदने की बहुत शौकिन होते हैं। आप उनके साथ खेलकर समय बिता सकते हैं। खेलना बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। उनके खेल-कूद में आप अपने आप को भी शामिल कर सकते हैं। इससे बच्चे को अकेलापन भी महसूस नहीं होगा और आपके प्रति उनके दिल में प्यार और विश्वास भी बढ़ेगा।

बच्चों के साथ जाएं घूमने

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए सबसे अच्छा विकल्प है कि आप उन्हें बाहर घूमने के लिए लेकर जाएं। अगर आप रोज-रोज बच्चे के साथ घूमने नहीं जा सकते तो हफ्ते में एक बार जरुर उसे बाहर लेकर जाएं। आप बच्चे को सैर पर भी लेकर जा सकते हैं।

काम में करे बच्चों को शामिल

आप बच्चों के साथ समय बिताने के लिए उन्हें अपने साथ काम में शामिल कर सकते हैं। घर के छोटे-मोटे कामों में आप बच्चे की मदद ले सकते हैं। घर के बगीचे में पानी देने से लेकर, कमरे की डस्टिंग, उनके कपड़े संभालने जैसे छोटे-छोटे काम बच्चों को दे सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि जिस काम में उन्हें दिलचस्पी नहीं है वो काम बिल्कुल भी न करवाएं। यदि बच्चा काम नहीं करना चाहता तो उस पर दबाव भी न डालें।

बच्चे के शौक जानने की कोशिश करें

आप बच्चे का साथ क्वालिटी समय बिताने के लिए उनके शौक भी जरुर जानें। अगर बच्चा पेंटिंग, डांस या स्विमिंग जैसी कोई हॉबी रखता है तो उसका साथ भी जरुर दें। जैसे आप बच्चे के साथ पेंटिंग कर सकते हैं, बच्चे को डांस क्लास के लिए भी आप जाइन कर सकते हैं।

ऑफिस के बाद बिताएं समय

ऑफिस से आने के बाद आप बच्चे के साथ जरुर समय बिताएं। आप भले ही ऑफिस से थककर आए हों, लेकिन बच्चे सुबह से आपकी राह देखते हैं। इस समय वो आपके साथ बिताना चाहते हैं। घर लौटकर भी यदि आप बच्चों को समय नहीं देंगे तो आपके रिश्ते उनके साथ खराब हो सकते हैं। आप बच्चे के साथ बैठकर खाना खाएं, उनकी दिनचर्या के बारे में पूछें।

बच्चे का भविष्य ऐसे बेहतर बनायें

सभी माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। अपने बच्चों को सही दिशा देने और उन्हें समझदार बनाने के लिए कई प्रयत्न करते हैं। बच्चे को मानसिक तौर पर सक्षम और तेज दिमाग का बनाने के लिए शुरुआत से ही कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि इसी दौरान बच्चे का दिमाग विकसित होता है। इन टिप्स की सहायता से आप बच्चे को बेहतर बना सकते हैं।

बच्चे से बात करें

बच्चे को इंटेलिजेंट बनाने में संवाद शैली बहुत मायने रखते हैं। बच्चे से बात करने से आपके और बच्चे के बीच रिश्ता मजबूत तो होता है साथ ही बच्चे में आत्मविश्वास भी आता है। अपने बच्चे को शुरुआत से ही बातचीत का हिस्सा बनाएं। उनसे इंग्लिश, हिंदी या अपनी भाषा के अनुसार बात करें, ताकि आगे चलकर भाषा उनके करियर में रुकावट ना बने।

घर में सकारात्मक माहौल बनाएं

बच्चे को घर में एक अच्छा माहौल दें, ताकि चीजों के प्रति बच्चे की सोच भी सकारात्मक रहे। बच्चे को शुरुआत से ही आत्मनिर्भर बनने दें। बच्चे के साथ खेलें, उनकी परेशानियों को जानने की कोशिश करें। इस तरह बच्चे में आत्मविश्वास बढ़ेगा।

बच्चों की उम्र के हिसाब से खिलौने चुनें

बच्चों के लिए खिलौने चुनते समय उनकी उम्र का ध्यान दें क्योंकि खिलौनों का असर बच्चों के मानसिक विकास पर पड़ता है। खिलौने बच्चे को खुश भी कर सकते हैं और उन्हें उदास भी। हमेशा ऐसे खिलौने चुनें, जिससे बच्चे को जानकारी भी मिले।

घर में भी पढ़ाएं

बच्चे के स्कूल जाकर कॉपी-किताब से पढ़ने का इंतजार न करें, बल्कि खेल के साथ बच्चों को इंग्लिश अल्फाबेट्स, काउंटिंग सिखाते रहें। आप खिलौनों के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। इससे शुरुआत से ही बच्चों की समझ बढ़ेगी।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें

मां अपने बच्चों की सुरक्षा के प्रति बहुत सजग रहती हैं। उनका पूरा ध्यान इस बात पर रहता है कि उनके बच्चे सेहतमंद रहें, ठीक खाना खाएं, समय पर सोएं, स्कूल में अच्छा परफॉर्म करें। जहां एक तरफ ज्यादातर माताएं बच्चों की शारीरिक सेहत के प्रति बहुत सावधान होती हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। अपनी सावधानी में मां यह भूल जाती हैं कि उनके व्यवहार का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। संपूर्ण विकास के लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक विकास भी जरुरी है।

तेजी से बदलते मौसम देख माताएं चिंतित हो जाती हैं। उनके पास केवल एक विकल्प बचता है और वो है अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों को नियंत्रित करके उन्हें सेहतमंद आहार के लिए मजबूर करना। इसके लिए उन्हें खाने-पीने की कई चीजों को न कहना पड़ता है। बार-बार %न% सुनने का बच्चों के मनोविज्ञान पर क्या असर पड़ता है और बार-बार मना करने पर बच्चों के संपूर्ण विकास एवं उनके व्यक्तित्व पर क्या असर पड़ेगा। इस बारे में मनोवैज्ञानिक की राय जानें।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार बच्चे बहुत संवेदनशील होते हैं। वे अपने माता-पिता को देखकर सीखते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास होता है। अपने माता-पिता से बार-बार %न% सुनकर बच्चे झूठ बोलने या फिर अपने माता-पिता से चीजें छिपाने लगते हैं। इससे उनके आत्मविश्वास को नुकसान पहुंचता है और वे सामाजिक

रूप से अलग रहने लगते हैं। उन्होंने कहा, इन चीजों से मां और बच्चे के बीच संबंध खराब हो सकते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि मां को एहसास हो कि असली समस्या बच्चे की मांग नहीं, बल्कि उनका कमजोर प्रतिरोधी तंत्र है, जिस कारण वे बार-बार बीमार पड़ते हैं।

माताएं बच्चों को %न% इसलिए कहती हैं कि वे उनके संपूर्ण विकास के लिए फिक्रमंद होती हैं। कामकाजी माताओं के बच्चे कई बार उनकी निगरानी के बिना खाते-पीते हैं, जिस कारण माताओं के लिए यह तय करना बहुत मुश्किल हो जाता है कि उनके बच्चे को सभी जरूरी पोषक तत्व प्राप्त हो रहे हैं या नहीं।

जो बच्चे अपने माता-पिता से लगातार उपेक्षित रहते हैं, वे स्वभाव से बहुत ज्यादा अंतर्मुखी हो जाते हैं। उनमें आत्मविश्वास की कमी तथा असुरक्षित व्यक्तित्व होता है। कई बच्चे निर्णय लेने में असमर्थ रहते हैं, क्योंकि वे यह तय नहीं कर पाते कि वे जो कर रहे हैं, वह सही है या गलत. उनका सामाजिक कौशल काफी खराब होता है और वयस्क होने पर अपने कार्यस्थल पर टीम के अच्छे सदस्य नहीं कहलाते।

सबसे अच्छा समाधान यह है कि बच्चों को ऐसा मल्टीविटामिन या मल्टीमिनरल सप्लीमेंट दिया जाए, जो उन्हें कुछ पोषक तत्वों का सौ प्रतिशत आरडीए प्रदान करे, जो न केवल आहार में अनुपस्थित पोषक तत्वों की कमी को पूरा करे, बल्कि बच्चे की प्रतिरोधी क्षमता का भी विकास करे। मजबूत बच्चों की मां को कम चिंता होती है, इसलिए प्रसन्नचित्त, सकारात्मक एवं मजबूत बच्चे का विकास होने दीजिए। अच्छा प्रतिरोधी सिस्टम सेहतमंद शरीर के साथ सेहतमंद मस्तिष्क भी प्रदान करता है।

बच्चों के लिए इसलिए बहुत जरूरी है ध्यान

आज के हाईटेक और भाग-दौड़ भरी जिंदगी में बच्चों पर भी पढ़ाई का मानसिक दबाव रहता है। ऐसे में उनके लिए भी मेडिटेशन (ध्यान) जरुरी है। मेडिटेशन (दिमागी अभ्यास) एक बेहतरीन तरीका है। यह हमें मौजूदा समय में रहने की शिक्षा देता है, ताकि हम प्रयास करने के बेहतर प्रबंध के साथ अच्छे समय का आनंद उठा सकें। यह हमें हमारे सच्चे भाव के साथ जुड़े रहने में मदद करता है। अध्ययन का संबंध ध्यान को मौजूदा समय में एकाग्र करने से है, जो हमारी बेहतर एकाग्रता, ध्यान केंद्रित करने और स्मरणशक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

ग्रहणशील अतिभार और स्कूल, परिवार व आंतरिक दबाव की दुनिया में बच्चों को वयस्कों जितना ही मेडिटेशन की जरूरत है। मेडिटेशन बच्चों में ध्यान विकसित करने, उन्हें अपनी भावनाओं पर काबू रखने और यह सिखाने में कि कैसे अपने अंदर और बाहर ध्यान देना है, में मदद करता है। यह उनमें केंद्र का भाव उत्पन्न करता है। बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार मेडिटेशन जैसे सोल रिवाइवल (आत्मा पुनरुद्धार) उन्हें एकाग्र करने में मदद करते हैं, ताकि वे अपने अध्ययन में अच्छी तरह ध्यान लगा सकें। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि मेडिटेशन ने छात्रों के अकादमिक और खेल के क्षेत्र में प्रदर्शन में सुधार लाने में मदद की है।

बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखें

आजकल जिस प्रकार से बच्चे भी बदसलूकी हिंसा और छेड़छाड़ के शिकार हो रहे हैं उसको देखते हुए उन्हें सजग करना अभिभावकों की जिम्मेदारी है ताकि वे सुरक्षित रहें। आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें सिखा सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें मुसीबत में पड़ने पर निकाल भी सकें। या आपका बच्चा दर्द से कराहता हुआ घर वापस आता है, उसकी आंखों में आंसू हैं और वह चुपचाप घर के कोने में बैठ जाता है तो उसकी अनदेखी करने की जगह प्यार से पूछे कि क्या हुआ और उसकी सहायता करें। इस मामले में जो भी दोषी हों उनके खिलाफ कार्रवाई के प्रयास करें।

बच्चों का यौन उत्पीड़न भले ही असामान्य लगे, लेकिन ऐसा है नहीं यह दुर्भाग्यपूर्ण जरूर है, लेकिन असामान्य नहीं है। आप जितना सोच भी नहीं सकते उससे भी ज्यादा मामले ऐसे हैं जो सीधे तौर पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े हुए हैं। इसमें भी जो सबसे खराब बात है वो ये है कि उन डरे हुए बच्चों को तो यह भी नहीं मालूम है कि उनके साथ हो क्या रहा है और उन्हें इसके बारे में किससे बात करनी चाहिए। हो सकता है कि आपका बच्चा जिंदगी के सबसे कड़वे अनुभव से गुजर रहा है और आपको उसके बारे में पता भी नहीं है। यौन उत्पीड़न बच्चों का बचपन उजाड़कर उनका सामना दुनिया के अंधेरे पहलुओं से करा रही है। आप दुनिया की इन अंधेरी गलियों को गायब नहीं कर सकते, लेकिन आप इसके खतरे को कुछ कम जरूर कर सकते हैं। आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए।

बच्चे से बातचीत करें: अपने बच्चे से बातचीत करें। बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें और उससे पूछें कि उसने दिन भर क्या-क्या किया। उनके साथ बैठें, बातें करें क्योंकि उन्हें कई बार अंदाजा नहीं होता है कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। वो शायद इतने समझदार न हों कि इन गलत बातों के बारे में समझ सकें। इसीलिए आप को उन्हें समझाना होगा।

बच्चों को उनके शरीर के बारे में बताएं: बच्चों को उनके अंगों के बारे में बताएं। अगर ज्यादा डिटेल में नहीं बता सकते तो कम से कम ये जरूर बताएं कि शरीर के कौन से हिस्से बेहद प्राइवेट होते हैं, जिन्हें कोई नहीं छू सकता।

ताकि बच्चे आप से बात करें: अपने बच्चों से कहिए कि वो आपके पास आकर बात करें। बच्चों के साथ मजबूत संवाद बनाना बेहद जरूरी है ताकि वे आपसे बात कर सकें। उन्हें सिखाइए कि वे आपसे बातें छिपाएं नहीं और जानने के बाद आप गुस्सा होने के बजाए खुश होंगे। आप उन्हें भरोसा दिलाइए कि आप उनकी मदद करेंगे और उन्हें सुरक्षा देंगे।

सही-गलत की पहचान: बच्चों को बताइए कि किस तरह का बर्ताव गलत है और उसके बारे में किसी बड़े को जल्द से जल्द बताना चाहिए हालांकि यौन उत्पीड़न जननांगों के अलावा होंठ, टांगें, गरदन और यहां तक कि बांहों तक ही सीमित नहीं है, लेकिन इनके बारे में बताकर आप शुरुआत तो कर ही सकते हैं। उन्हें बताइए कि किस तरह का टच सही और किस तरह का बर्ताव बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और उसके बारे में जितना जल्दी हो सके आपको बताना है।

बच्चों को सिखाएं प्यार जताने का तरीका: कई बार आप जिस तरह से अपने बच्चे को लाड़ करते हैं वैसे ही यौन हमलावर भी करते हैं। जैसे कि जब आप थोड़ी थकान महसूस करते हैं या परेशान होते हैं तो आप अपने बच्चे से आपको किस और हग करने के लिए कहते हैं। इससे आपका बच्चा यह समझने लगता है कि जब कोई दुखी होता है तो उसे खुश करने के लिए यही किया जाता है। इसी तरह का रवैया हमलावर आपके बच्चे पर भी आजमा सकता है। ऐसे में आपको अपने ढंग से बच्चों को प्यार जताने का तरीका सिखाना होगा। ज्यादातर यौन हमलावर इसे दो लोगों के बीच का सीक्रेट कहते हैं और इसके बारे में किसी को भी बताने से मना कर देते हैं। आप अपने बच्चों को सिखाइए कि कोई भी बात मम्मी-पापा से नहीं छिपानी चाहिए। उन्हें बताइए कि इस तरह की सीक्रेट बातें छिपाना खतरनाक हो सकता है।

किन लोगों पर भरोसा करें बच्चे: अपने बच्चों को बताइए कि वे किन लोगों पर भरोसा कर सकते हैं और किनसे उन्हें दूर रहना है लेकिन इससे भी जरूरी उन लोगों का चुनाव करना आपकी जिम्मेदारी है।

चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका पर सवालिया निशान

सनत कुमार जैन

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के लिए नगद चन्दे की सीमा अधिकतम 20 करोड़ करने तथा 2000 रुपए से ज्यादा नगद चंदा पर रोक लगाने जैसे प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे हैं। पूर्व चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन के समय चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव के लिए, जो कार्य किया था। उससे आम जनता में चुनाव आयोग के प्रति विश्वास बढ़ा था, वह अब नहीं दिख रहा है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को इलेक्ट्रोल बांड के जरिए 80 फ़ीसदी चंदा आता है। शेष 20 फ़ीसदी चंदे में देश के सारे राजनीतिक दल होते हैं। इलेक्ट्रोल बांड स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी होते हैं। सरकार के अलावा इसकी जानकारी किसी अन्य राजनीतिक दल को नहीं लग सकती है। बांड के जरिए किस कंपनी ने कितना चंदा दिया है। यह सार्वजनिक नहीं होता है। कंपनियों पर 3 वर्ष की सकल आय का 7.50 फ़ीसदी तक चंदा देने का जो प्रतिबंध था, वह भी समाप्त हो गया है। राजनीतिक दलों को विदेशी चंदा लेने की भी छूट है। इसका फायदा भी केवल कांग्रेस और भाजपा को ही मिल सकता है। 2014 के बाद से जो भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं उनमें सत्तारूढ़ पार्टी का चुनाव खर्च सबसे ज्यादा होता है। अन्य दलों के पास चंदे की राशि बहुत कम होती है। केंद्र एवं अधिकांश राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं। इलेक्ट्रोल बांड लाने के समय यह दावा किया गया था, कि चुनाव में ब्लैक मनी का उपयोग बंद हो जाएगा। लेकिन जिस तरीके से चुनाव हो रहे हैं, उसमें ब्लैक मनी कई गुना बढ़ी है। उम्मीदवारों के लिए चुनाव खर्च की सीमा बेमानी है। सीमा के कई गुना ज्यादा खर्च सत्तारूढ़ राजनैतिक दल करता है। राजनीतिक दल बड़े पैमाने पर चुनाव के दौरान काला धन खर्च कर रहे हैं। जिसके कारण चुनाव में असमानता बढ़ती जा रही है 2020-21 में 593 करोड रुपए का चंदा इलेक्ट्रोल बांड के जरिए राजनीतिक दलों को मिला था। इसमें 477 करोड़ रुपए का चंदा केवल भाजपा को मिला। जो कुल चंदे का 80 फ़ीसदी है। वहीं देश भर के सारे राजनीतिक दलों को 116 करोड़ों रुपए का चंदा मिला। जो कुल चंदे का 20 फ़ीसदी है। चुनाव चंदे में इतनी असमानता इसके पहले कभी नहीं देखी गई। चुनाव के दौरान निश्चित सीमा से अधिक उम्मीदवार चुनाव में खर्च नहीं करें। इसके लिए चुनाव आयोग और सरकार की जांच एजेंसियां छापे की कार्रवाई बड़े पैमाने पर करते हैं। इसके दायरे में विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता और कई कंपनियां आती हैं। विपक्षी दलों से जुड़े नेताओं और उनके संपर्क में जो कंपनियां होती हैं उनके यहां छापा डाल दिया जाता है। चुनाव के दौरान यह रकम रोक ली जाती है। जिसके कारण विपक्षी दल अब भाजपा का मुकाबला किसी भी स्तर पर करने की स्थिति में नहीं रहे। यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. सेशन के समय प्रचार माध्यम, चुनावी खर्च, रैलियों और प्रशासन के ऊपर जिस तरह से निष्पक्ष चुनाव कराने का दबाव होता था। अब वह कहीं भी देखने को नहीं मिलता। जिस तरह से जांच एजेंसियां कार्रवाई करती हैं और इलेक्ट्रोल बांड के जरिए सत्तारूढ़ दल को भारी रकम मिलती है। उसके सामने विपक्षी दलों की हालत ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। जैसे शेर के मुकाबले में बकरी को खड़ा कर दिया जाए, जो सिवा मिमियाने के और कुछ नहीं कर सकती है। रही-सही कसर मीडिया ने पूरी कर दी है। इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया में विपक्षी दल अब पूर्णमासी या अमावस चाँद की तरह ही दिखते हैं।

एक महान कर्मयोगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय

मुकेश तिवारी

(25 सितंबर जन्म दिवस पर विशेष)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम में 25 सितंबर 2016 को हुआ था ,आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था, उपाध्याय जी के बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया। फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही कारण था कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा, पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए ,जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए ,दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी अतः वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे, गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई,वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर मेंइससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अतः 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया , कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे,राजगढ़ आ गये मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे, आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया, उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे,उनकी ख्याति एक मेधावी छात्र के रूप में फैल गई थी, नारायण शुक्ला का19 34 में स्थानांतरण सीकर हो गया,इस कारण उन्हें सीकर जाना पड़ा, उन्होंने दसवीं की परीक्षा सीकर कल्याण हाईस्कूल से दी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए,वह विधार्थी जीवन में हमेशा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होते रहे ,इसी कारण सीकर के महाराजा कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया,10रपये माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तको आदि के लिए 250की राशि पारितोषिक के रूप में दी,उस दौर में पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केन्द्र था, दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935मे पिलानी चले गए उन्होंने यह सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की ,बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर आ गए।

कानपुर में किराए का मकान लेकर दो बर्ष तक रहे,इसके पश्चात वे प्रयाग चले आए,25वर्ष की आयु पूर्ण करने तक उपाध्याय जी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर रहे, कानपुर में अध्ययन करते वक्त अपने सहपाठी कालूजी महाशबदे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए, कानपुर में संघ संस्थापक डां केशव बलिराम हेडगेवार से उनकी भेंट हुई,बाबा साहब आपके के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ही रूकते थे,इनकी दीनदयाल जी से बहुत बातें होती थीं, स्वातंर्त्य वीर सावरकर जब कानपुर आए तो दीनदयाल जी ने उन्हें शाखा पर आमंत्रित कर बौद्धिक वर्ग करवाया, कानपुर में सुन्दर सिंह भंडारी भी उनके सहपाठी थे, कानपुर में इस विधार्थी जीवन से ही पं दीनदयाल उपाध्याय के सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हो गयी थी हालांकि संघ के शारीरिक कार्य कार्यक्रमो को दीनदयाल जी बेहतर ढंग से नहीं कर पाते थे मगर बौद्धिक परीक्षा में वे सदैव अव्वल रहते थे, दीनदयाल उपाध्याय जी ने सन् 1939 में सनातन धर्म कॉलेज कानपुर से बीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की ,यही नहीं,एम ए अंग्रेजी साहित्य की परीक्षा में भी ,उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया , हालांकि बीमारी की वजह से वे एम ए उतराध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए लेकिन उन्होंने प्रशासनिक नौकरी करने में कतई दिलचस्पी नहीं दिखाई, अतः वे बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए उनकी अध्ययनशीलता सावजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा, भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे ,किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणो से पता चलती है।

राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है ,उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होताहै ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पडते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ हुआ तो समेथ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए ,यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है, उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है, टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है। दीनदयाल जी का मानना था कि स्वराज प्राप्त करते ही हम स्व की भावना विस्मित कर बैठे तथा विदेशी विचारधारा हमारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई ,आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाए, बिना उसके स्वराज का कोई अर्थ नहीं है स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन मात्र नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और ना ही उसका विकास ही संभव है,हम स्वर की भावना किस मत कर बैठे हैं।

संघ द्वारा आयोजित लोकमंथन चर्चाओं में

22 से 24 सितंबर के बीच गुवाहाटी में स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित लोकमंथन कार्यक्रम शुरू हो गया है. कई राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व इस कार्यक्रम की राजनीति क्षेत्रों में बहुत उत्सुकता बन गई है. लोकमंथन कार्यक्रम में भारत की लोक परंपराएं, मान्यताएं, संस्कृति, व्यवहार, गीत- संगीत और और लोक शास्त्र पर देशभर के विशेषज्ञ विचार मंथन करेंगे। संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आयोजन का उद्घाटन करेंगे.समापन कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान शामिल होंगे. दोनों ही संवैधानिक पदों पर हैं. धार्मिक ध्रुवीकरण एवं सामाजिक समन्वय को लेकर यह आयोजन चर्चाओं में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा का प्रित संगठन है। वर्तमान समय में आदिवासी सहित अन्य समाजों को हिंदू समाज से जोड़ने अथवा अलग-थलग करने की जो साजिश और गतिविधियां चल रही हैं.उसको लेकर यह आयोजन महत्वपूर्ण हो गया है। संघ सामाजिक व्यवस्था के बिखराव को रोकने और सभी को हिंदुत्व की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए यह आयोजन कर रहा है। राजनीतिक क्षेत्रों में इस आयोजन को गुजरात, हिमाचल और अगले साल 5 राज्यों के चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद, सोनल मानसिंह और सच्चिदानंद भारती को इस कार्यक्रम में बुलाया गया है. निश्चित रूप से लोकमंथन कार्यक्रम भारत छोड़ो यात्रा की तरह समाज जोड़ो के नाम आत्मथंवन का कार्यक्रम है। वक्ताओं को विशेष रूप से धार्मिक एवं संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को बुलाकर नया संदेश और नई पृष्ठ भूमि तैयार की जा रही है।

जब बेटी हो बेटी की दुश्मन,तब बेटी को कौन बचाये?

निर्मल रानी

पुरुषों द्वारा महिलाओं पर अत्याचार,उनका शोषण व उत्पीड़न करने की अनेक घटनायें आये दिन सुर्खियों में रहती हैं। अक्सर महिलाओं द्वारा संगठित होकर ऐसे अपराधों व अपराधियों के विरुद्ध आवाज़ भी उठाई जाती है। ऐसे अवसरों पर महिलाओं के प्रति सहानुभूति रखने वाले व उनके मान सम्मान व महिला अधिकारों की क़द्र करने वाले तमाम पुरुष,युवक व छात्र उनके साथ उनकी आवाज़ से आवाज़ मिलाते भी देखे जाते हैं। क्योंकि हर न्यायप्रिय मानववतावादी पुरुष यह भी जानता है कि वह भी किसी महिला का पुत्र उसका भाई,पति या पिता है। महिलाओं की शिकायतों के समाधान हेतु सरकार द्वारा महिला आयोग गठित किये गये हैं। कई जगह महिला थाने बनाये गये हैं। परन्तु हमारे ही देश में यह कहावत भी खूब प्रचलित है कि औरत की सबसे बड़ी दुश्मन औरत ही होती है। ज़ाहिर है आम भारतीय परिवारों में प्रायः होने वाले सास-बहू,ननद-भाभी,जेठानी आदि से होने वाले घरेलू झगड़ों के चलते यह कहावत प्रचलन में आई होगी। यह भी सच है कि एक महिला अपनी बहू से बेटा पैदा करने के लिये जितनी आस लगाकर रखती है उतना उसका बेटा भी नहीं रखता। और खुदा न ख़्वास्ता किसी औरत ने एक या दो तीन बेटियों को लगातार जन्म दे दिया तो सबसे अधिक सास की नज़रों में वह बहू खटकने लगती है। उसकी नज़रों से गिर जाती है। जहालत भरी इस सोच ने न जाने कितने घरों को बर्बाद किया है। तमाम बहुओं को इन्हीं परिस्थितियों में खुदकशी तक करनी पड़ी है। नारी संबंधी अपराध की भी यदि पड़ताल करें तो हमारे ही समाज में अनेकानेक ऐसी महिलायें भी मिलेंगी जो कभी प्रेमिका के रूप में दूसरी महिला का घर उजाड़ देती हैं। कहीं महिलायें ही युवतियों को देह व्यापर में धकेल देती हैं, कहीं पेशेवर अपराधी बनकर महिलायें समाज को कलंकित करती और वह भी महिलाएं ही होती हैं जो अपने नवजात शिशुओं विशेषकर नवजात कन्याओं को कभी कूड़े के ढेर पर तो कभी नालों में कुत्तों के नोचने के लिये फेंक आती हैं। और यदि ऐसी ही विकृत व घृणित मानसिकता की कोई लड़की कॉलेज या विश्वविद्यालय तक पहुँच जाये तो कितनी ही लड़कियों की इज़्ज़त और उनकी ज़िन्दिगी से खिलवाड़ करने से भी नहीं हिचकिचाती।

ऐसी ही अपराधी व विकृत मानसिकता की एक लड़की पर आरोप है कि उसने पिछले दिनों चंडीगढ़ से 24 किलोमीटर दूर चंडीगढ़-लुधियाना राजमार्ग पर घंडुआ क़स्बे में स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी नामक एक निजी विश्व विद्यालय में लड़कियों के छात्रावास के बाथरूम में नहाते समय कथित तौर पर अपनी लगभग 60 साथी छात्राओं का गुप्त रूप से वीडियो बनाया था। छात्रा पर आरोप है कि उसने ऐसे आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें अपने किसी युवक मित्र को शिमला भेज दिया। और उस लड़के ने कथित तौर पर इनमें से कुछ आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट के माध्यम से वायरल कर दीं। यह वीडियो वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्र व छात्राएं गुस्से में सड़कों पर उतर आये प्रदर्शन के दौरान कई लड़कियों के बेहोश होने की खबरें आईं। ÷हॉस्टल के अंदर काफ़ी तोड़फोड़ हुई और अभियुक्त लड़की को इसी विश्वविद्यालय से व उसके मित्र सहित एक अन्य लड़के को शिमला से गिरफ़्तार कर लिया गया है । यह दोनों ही अभियुक्त रोहड़ू (हिमाचल प्रदेश) के रहने वाले बताये जा रहे हैं। इस घटनाक्रम में कुछ पीड़ित छात्राओं द्वारा आत्म हत्या किये जाने की भी अपुष्ट व भ्रामक ख़बरें आई थीं। परन्तु पुलिस व विश्वविद्यालय प्रशासन ने आत्म हत्या किये जाने की ख़बरों को महज़ अफ़वाह बताया। घटना की जांच हेतु पंजाब पुलिस ने तीन सदस्यों की महिला टीम गठित की है। परन्तु इस घटना के बाद छात्राएं ख़ुद को असुरक्षित ज़रूर महसूस कर रही हैं और चाहती हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी सुरक्षा के कड़े क़दम उठाए। घटना से क्षुब्ध कई अभिभावक अपने बच्चों को छात्रावास से वापस बुला रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि विश्वविद्यालय में हालात सुधरने पर उन्हें वापस भेज दिया जायेगा। उधर इस मामले के सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी में छुट्टी भी कर दी गई है। इस विषय पर प्रशासनिक व क़ानूनी कार्रवाई से अलग चिंतन करने का जो सबसे बड़ा विषय है।

खतरों से जूझती नदियां

सूडोकु नवताल- 6202

✯✯✯✯✯ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6201 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

(25 सितम्बर विश्व नदी दिवस)

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

संस्कृति के निर्माण में नदियों का ही मुख्य योगदान था होता हैं और रहा हैं।कारण जल ही जीवन हैं और कोई भी शहर गांव में निवासी जहाँ जल की सुविधाएँ होती थी वहीँ बसते थे।इसीलिए हम माँ का दर्जा देते हैं नदियां ,कुए ,बावली।नाले ,झिरने आदि सुगम और सरल स्त्रोत होते थे।विकास के नाम पर कल कारखाने और आबादी बढ़ने से इन स्त्रोतों का महत्व कम कर दिया गया।और सिंचाई युक्त खेती और रासायनिक खादों के कारण जमीन से पानी निकालने के कारण सूखों का सामना करना पड़ता हैं।जल का दोहन ,समुचित प्रबंधन का आभाव ,अपव्यय से कमी का होना स्वाभाविक होता हैं। एक नदी सब कुछ बदल सकती है। हर साल सितंबर के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। 25 सितंबर 2022 को भारत सहित पूरे विश्व में उत्साह से मनाया जाता है। नदियों की रक्षा को लेकर 2005 में इसे मनाने की शुरुआत की गई थी

ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका, भारत, पोलैंड, दक्षिण अफ्रिका, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और बांग्लादेश में नदियों की रक्षा को लेकर कई कार्यक्रम का आयोजन होता है। भारत में अनादि काल से नदियों को देवीय महत्व दिया गया है। पूर्वांचल में पवित्र नदियों के किनारे छठ पर्व किया जाता है। छठ पर्व दीपोत्सव के छठे दिन मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं नदी के पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ देती है। पृथ्वी के 71 प्रतिशत

हिस्से में पानी है, जिसमें से 97.3 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं होकर खारा पानी है। शेष 2.7 प्रतिशत मीठा जल हमें नदियों, झीलों, तालाबों जैसे संसाधनों से प्राप्त होता है। इसलिए विश्व नदी दिवस मनाए जाने की शुरुआत की गई।

गलत नीतियों, मानव द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण और कई स्वार्थियों के कारण अनेक नदियां का अस्तिव समाप्त हो रहा है। प्रदूषित हो रही नदियों को संवारने के लिए संरक्षित करने की जरूरत है।

पुराणों में उल्लेख है कि विश्व की प्राचीन सभ्यतायें नदियों के किनारे ही विकसित हुई है। नदियां को स्वच्छ जल का संवाहक होती हैं। एशिया महाद्वीप का हिमालय पर्वत पुरातन समय से नदियों का उद्गम स्रोत रहा है। गंगा, यमुना, सिंधु, झेलम, चिनाव, रावी, सतलज, गोमती, घाघरा, राप्ती, कोसी, हुबली तथा ब्रहमपुत्र आदि सभी नदियों का उद्गम हिमालय से शुरू होकर हिन्द महासागर में जाकर अपनी गिरती है।

विश्व नदी दिवस भारत का कोई अलग से कार्यक्रम नहीं है। पुराने लोगों द्वारा कहा जाता है कि सालों पहले भारत की नदियां बारह मासी यानी 12 माह बहने वाली होती थी, लेकिन अंधाधुंध पेड़ों की कटाई के कारण नदियों ने अपना अस्तिव खो दिया। वर्तमान में हालात यह है कि ग्रीष्म ऋतु में भारत की सभी नदियों का जल सूख जाता है।

भारत के कई शहरों में उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ को नदियों में मिला दिया जाता है।गंगा नदी की स्वच्छता अभियान में करोड़ों रूपया खर्च किया जा चूका हैं पर नदियों के किनारे वाले शहरों में स्थापित कल कारखानों द्वारा नदी को अनवरत प्रदूषित किया जा रहा हैं।यह स्थिति संभवतः पूरे भारत में हैं। सीपीसीबी की साल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीवनदायिनी कही जाने वाली ये नदियां खुद खतरे में हैं। 521 नदियों के पानी की मॉनिटरिंग करने वाले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार देश की 198 नदियां ही स्वच्छ हैं। जो छोटी नदियां हैं। जबकि, बड़ी नदियों का पानी भीषण प्रदूषण की चपेट में है। 198 नदियां स्वच्छ पाई गई, इनमें ज्यादातर दक्षिण-पूर्व भारत की हैं।

संरक्षित करने के उपाय --

हमारी जलवायु बरसात पर आधारित हैं और अच्छी वर्षा होने से हमारी खेती जो हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं पर आश्रित हैं ,इसके अलावा समुचित प्रबधन के आभाव में गर्मी के मौसम में सूखा का प्रभाव देखने मिलता हैं।

मुसलमानों का नुकसान क्यों कर रहे हैं?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) नामक मुस्लिम संगठन पर सरकार की कड़ी नजर पहले से थी, लेकिन इस बार देश भर में उस पर मारे गए छापों ने उसकी पोल खोलकर रख दी। भारत में हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों या किसी भी मजहब के नाम पर कोई संगठन बनाने की मनाही नहीं है लेकिन यदि वह संगठन हिंसा, आतंकवाद, सांप्रदायिकता और देशद्रोह फैलाने का काम करे तो उस पर प्रतिबंध लगाना तो जरुरी है ही, उसे दंडित भी किया जाना चाहिए। कांग्रेस सरकार ने 2006 में इसी तरह के संगठन सिमी (स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया) पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस संगठन का उद्देश्य था, भारत को आजाद करके उसे इस्लामी राष्ट्र बनाना। इस संगठन के बिखरने पर पीएफआई का जन्म हो गया। केरल के कुछ मुसलमान उग्रवादियों ने इसकी शुरुआत की और फिर केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन उग्रवादी संगठनों ने मिलकर इसे सारे देश में फैला दिया। इसने 'सोश्यल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' नामक एक राजनीतिक दल भी खड़ा कर लिया। यहां ध्यान देने लायक बात यह है कि इन सारे संगठनों के नामों में 'मुस्लिम' शब्द किसी में भी नहीं है। यानी पूरी चालाकी से काम लिया गया है। इस संगठन पर डाले गए छापों से पता चला है कि इस्लाम के नाम पर विदेशों से करोड़ों रुपए इसने प्राप्त किए हैं। इसने पिछले डेढ़ दशक में जितने भी आंदोलन इस्लाम के नाम पर चले हैं, उनकी आग में तेल डालने का काम किया है। श्रीलंका के गिरजे में मारे गए 250 लोगों की हत्या में भी इसका हाथ बताया गया है। श्रीलंका के तमिल और मलयाली मुसलमानों को भी इसने अपनी गिरफ्त में ले रखा है। केरल के एक अध्यापक टी.जे. जोजफ़ का एक हाथ भी इसी के कार्यकर्ताओं ने यह कहकर काट दिया था कि उसने पैगंबर साहब का अपमान किया था। कई राज्यों में पीएफआई के कार्यकर्ताओं को हत्या के जुर्म में भी गिरफ्तार किया गया है। इस बार इसके कार्यालयों पर छापे पड़े तो कल केरल बंद का आह्वान किया गया, जिसके दौरान काफी तोड़-फोड़ भी हुई। इस संगठन पर पहले भी प्रतिबंध लग चुके हैं लेकिन ठोस प्रमाणों के अभाव में उसे छूट मिलती रही है। यदि इस बार भी सरकार ने सिर्फ आरोपों का प्रचार किया और उनके ठोस प्रमाणों को सार्वजनिक नहीं किया तो सरकार की मन्शा पर शक बढ़ेगा और उसकी प्रतिष्ठा पर भी आंच आएगी। यदि इस संगठन पर लगे आरोप सही हैं तो यह मानना पड़ेगा कि यह भारत के मुसलमानों का काफी नुकसान कर रहा है। मुस्लिम लीग के रास्ते पर चलकर भारत के मुसलमान 1947 में बंट गए, कमजोर हो गए।

महापौर सभापति व एमआईसी सदस्यों के प्रयास से सफाई कर्मियों की हड़ताल समाप्त

निगम कमिश्नर के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष पहुंचे हड़ताल समाप्त करने का श्रेय लेने

मुरैना। पिछले 9 दिनों से नगर निगम मुरैना में चल रही सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल महापौर, सभापति और एमआईसी सदस्यों द्वारा किए गए प्रयासों के बाद शनिवार की सुबह समाप्त हो गई तथा कर्मचारी काम पर लौट आए और शहर की सफाई व्यवस्था में जुट गए, जिसके बाद जनता ने राहत की सांस ली है। वही महापौर, सभापति आदि ने निगम कमिश्नर संजीव जैन पर आरोप लगाया कि वह कर्मचारियों की समस्या के निराकरण की बजाय उन पर कठोर कार्रवाई करने की धमकियां दे रहे थे और जब हमने हड़ताल समाप्त करा दी तो भाजपा जिलाध्यक्ष को लेकर कमिश्नर उन्हें श्रेय दिलाने के लिए पहुंच गए।

महापौर श्रीमती शारदा राजेंद्र सोलंकी एवं सभापति राधारमण दंडोतिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हड़ताल के उपरांत से ही सभी लोग हड़ताल को समाप्त कराने के प्रयास में जुट गए थे और इसको लेकर 20 सितंबर को आपातकालीन एमआईसी की बैठक भी की गई, जिसमें कर्मचारियों के एरियर भुगतान एवं अन्य मांगे जो एमआईसी के क्षेत्राधिकार में थी, उनको स्वीकार किया गया तथा जो मांगे राज्य सरकार के समक्ष अवलोकन के लिए थी, उन्हें प्रस्तावित किया गया, परंतु कर्मचारी एवं मजदूर यूनियन के नेता इस बात पर राजी नहीं हुए। जब महापौर एवं उनकी टीम कमिश्नर से बीच का रास्ता निकाल कर्मचारियों की समस्या के निराकरण करने की बात कर रहे थे, तब कमिश्नर कर्मचारियों पर कार्रवाही एवं कठोर कदम उठाने की बात कर रहे थे। महापौर ने कमिश्नर पर यह भी आरोप लगाया कि जब हम लोग उन्हें हड़ताल समाप्त कराने में सफल दिखाई देने लगे तो वह स्वयं सबसे बाद में पहुंचे और अपने साथ भाजपा जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता को लेकर आए, ताकि भाजपा इसका श्रेय ले सके, लेकिन हकीकत है कि अनिश्चितकालीन हड़ताल को पर्दे के पीछे से कुछ यूनियन नेताओं के साथ मिलकर इसका संचालन भाजपा ही कर रही थी। उन्होंने बताया कि संविदा नियुक्तियों के विनियमितीकरण को लेकर पत्र क्रमांक 238 जून 2021 राज्य सरकार द्वारा पारित किया गया है और यह बीजेपी की सरकार मैं ही हुआ है, जिसके अधीन नगर निगम हैं तथा राजपत्र की कंडिका 5.2 ने यह साफ वर्णित है कि किसी संविदाकर्मी को 5 वर्षों से ज्यादा रखा नहीं जा सकता।

निगम कमिश्नर बने भाजपा एजेंट, पूर्व महापौर के कार्यकाल में कर्ज में डूबी निगम

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक शर्मा, सभापति राधारमण दंडोतिया, आम आदमी पार्टी से पार्षद रमेश उपाध्याय आदि ने कहा कि वर्तमान कमिश्नर भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं और पूर्व महापौर के कार्यकाल में की गई सफाई कर्मियों की भर्ती में भारी लेनदेन किया गया एवं नगर निगम के खजाने को पूरी तरह लूट लिया गया। आज की स्थिति में निगम पर एक अरब रुपए का कर्ज है। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को नकार कर कांग्रेस की महापौर एवं पार्षद चुने, हमारी जिम्मेदारी है हम काम कर रहे हैं, लेकिन भाजपा के लोग काम में अड़ंगा डाल रहे हैं।

अग्रसेन जयंती पर सजेगा फूल बंगला, होगा अन्नकूट भोज, लकी ड्रा में मिलेंगे ढेरों पुरुष्कार

जौरा। अग्रसेन जयंती के आयोजन को लेकर युवा समाज सेवियों द्वारा विभिन्न आयोजन करने की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें अन्नकूट भोज अग्रसेन मंदिर पर फूल बंगला सहित लकी ड्रा एवं लड्डूओ का प्रसाद वितरण करना प्रमुख होंगे। कल 26 सितंबर को आने वाली कुल प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन जयंती पर्व को मनाए जाने के लिए बीते दिनों बनिया पाड़ा स्थित महाराजा अग्रसेन मंदिर में अग्रवाल महासभा द्वारा कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समाज बंधुओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए अग्रसेन जयंती के अवसर पर चल समारोह नहीं निकालते हुए महाराजा अग्रसेन जयंती पर्व अग्रसेन मंदिर में ही मनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान जयंती के उपलक्ष में पूरे समाज के लिए अन्नकूट भोज दिए जानें का निर्णय समाज की बैठक में दिया। इसके अलावा अग्रवाल जन सेवा संघ के सदस्यों द्वारा अग्रवाल महासभा के सहयोग से मन्दिर पर फूल बंगला सजानें सहित लकी ड्रा का अयोजन किया जाना तय किया है। इस लकी ड्रा में प्रथम पुरुष्कार के रूप में रेफ्रिजरेटर द्वितीय एलईडी टीवी तृतीय रेंजर साइकिल एवं 48 अन्य पुरुष्कार भाग लेने वाले समाज बंधुओ को देने की बात कही। बैठक में मौजूद समाज बंधुओं ने अग्रसेन जयंती को दिन प्रातः प्रभात फेरी निकालने एवं दोपहर 2 बजे से महाराजा अग्रसेन मंदिर में आरती शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान महाराजा अग्रसेन एवं मां लक्ष्मी के मंदिर को भव्य एवं आकर्षक फूलों से सजाया जाएगा।

अंडर ब्रिज बनाने के लिए 53वें दिन जारी रही क्रमिक भूख हड़ताल

कैलारस। नगरीय क्षेत्र में अस्पताल आने जाने के लिए परंपरागत रास्ते को बहाल रखते हुए ब्रांड गेज के निर्माण कार्य में, कृष्ण मार्ग के सामने अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर नागरिकों की ओर से कृमिक भूख हड़ताल लगातार जारी रही है। 53वें दिन भूख हड़ताल पर बैठने वालों में डॉ दशरथ सिंह कुशवाह, रामदयाल जाटव, शरीफ खान, बल्लू खान प्रमुख रहे। उनको वरिष्ठ नेता हलकेराम जाटव ने माल्यार्पण कर बैठाया। भूख हड़ताल के समर्थन में धरने पर रतिराम जाटव, गब्बर सिंह जाटव, मिथुन जाटव, महेन्द्र जाटव, मनोज सर आदि मौजूद रहे। अंडर ब्रिज बनाने के लिए आंदोलन लगातार जारी है। इससे पूर्व धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन, आवेदन किए गए हैं। सत्याग्रह किया गया है। मंत्री गणों व अफसरों को ज्ञापन भेजे गए हैं, परंतु कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। आगे व्यापक स्तर पर आन्दोलन की तैयारी है। शनिवार को आन्दोलन कारियों ने रेल मंत्री एवं अन्य सभी से मांग पूरी करने का आग्रह किया है।

नगरपालिका कर्मचारियों के आंदोलन का सीटू और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने दिया समर्थन

सबलगढ़। नगरपालिका कर्मचारियों की ओर से वेतन, प्रोविडेंट फंड जमा कराने, अन्य स्वत्वो का भुगतान करने, कर्मचारियों का नियमितीकरण आदि मांगों को लेकर एक सप्ताह से आंदोलन किया जा रहा है। सरकार द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। इस आंदोलन का समर्थन सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड में यूनियन्स की ओर से तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से किया गया है। माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य नपा के पूर्व अध्यक्ष अशोक तिवारी एवं पूर्व नपा अध्यक्ष मुरारी लाल धाकड़ ने कहा कि यदि नगरपालिका कर्मचारियों की मांगे नहीं मानी गई और समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन का समर्थन करते हुए आंदोलन को तेज किया जाएगा।

कार से 10 लाख से अधिक का 72 किलो गांजा बरामद, आरोपी फरार

मुरैना। नूराबाद थाना पुलिस ने शनिवार की दोपहर चेकिंग के दौरान ग्राम करुआ के पास ग्वालियर की ओर से आ रही एक कार की तलाशी के दौरान 72 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत 10 लाख से अधिक बताई गई है। चेकिंग के दौरान वाहन चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा गाड़ी जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के मार्गदर्शन में अवैध शराब व अन्य मादक पदार्थ की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान शनिवार की दोपहर को थाना नूराबाद पुलिस ने दोराने वाहन चैकिंग ग्वालियर मुरैना हाईवे ग्राम करुआ मोड से निसान कम्पनी की सनी कार क्रमांक डीएल-1-सीपी- 6270 का चालक चेकिंग देखकर गाड़ी छोड़कर बाजरा की फसल का लाभ लेकर भाग निकला। कार की तलाशी के दौरान उसके अंदर से 89 पैकेट सैलो टेप से चिपके हुए, जिनमें 72 कि. ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 10 लाख 80 हजार रुपये व निसान सनी कार कीमती 6 लाख रुपये जप्त करते हुए धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज कर लिया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र गोविल, उनि उपेन्द्र पाराशर, प्रआर उत्तम, आर शक्ति, आशीष, अशोक, रणधीर, भूपेन्द्र का सराहनीय भूमिका रही।

बलात्कार के आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदण्ड से किया दंडित

मुरैना। अवयस्क अभियोत्रक्त्री के साथ बलात्कार करने के मामले में माननीय न्यायालय श्रीमती शिप्रा पटेल, न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट 2012) अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश मुरैना ने प्र0क्र0 55/20 में आरोपी ब्रजेश बसोड पुत्र जगदीश बसोड उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम तेंदुखेडा थाना तेजगढ जिला दमोह को धारा 5/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 10 हजार रूपए अर्थदण्ड तथा धारा 366 भा0द0सं0 में 5 हजार रूपए अर्थदण्ड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण में पैरवी विशेष लोक अभियोजक/अति0 जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा उमरैया द्वारा की गई। उक्त प्रकरण के अभियोजन कार्य में गजेन्द्र माहौर, सहायक ग्रेड-3 व आरक्षक 363 रामनिवास द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) ने घटना के बारे में बताया कि दिनांक 11.07.20 को अभियोक्त्री की मां ने आरक्षी केन्द्र सिविल लाईन में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अवयस्क अभियोक्त्री को बहला फुसलाकर ले जाये जाने के संबंध में सूचना दी गई। जिस पर से भा.द.सं. की धारा 363 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। दौरान विवेचना 26 जुलाई 2020 को अभियोक्त्री झुग्गे बाणा गंगा टीटीनगर भोपाल से अभियुक्त ब्रजेश के आधिपत्य से दस्तयाब हुई। जहां अभियुक्त ब्रजेश ने अभियोक्त्री के साथ एक से अधिक बार बलात्कार किया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरण पॉक्सो एक्ट का होकर गंभीर प्रकृति का था। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी ब्रजेश बसोड को धारा 5/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 10 हजार रूपए अर्थदण्ड तथा धारा 366 भादसं में 5 हजार रूपए अर्थदण्ड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण में माननीय न्यायालय द्वारा पीड़ित प्रतिकर योजना 2018 के अंतर्गत अभियोक्त्री को आई शारीरिक व मानसिक क्षति को दृष्टिगत रखते हुए दो लाख रूपये प्रतिकर राशि प्रदान किए जाने हेतु भी आदेशित किया गया।

मीटिंग छोड़ पिकनिक मना रहे अधिकारी, सरकारी योजनाओं को लग रहा पलीता

किसान खा रहे धक्के जनता, कर्मचारी और पत्रकार कर रहे आंदोलन

बोस ने कहा अब चिंता की बात नहीं, 4 चौके भी हैं हमारे साथ

मुरैना। गत दो दिन से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें जिले के चार प्रमुख आला अधिकारी टिकटोली दमदार में झरने का लुफ्त लेते हुए पिकनिक मना रहे हैं तो दूसरी तरफ प्रशासक की अनुपस्थिति में सदस्यों ने सरकारी योजनाओं की संबंध में बैठक को औपचारिक रूप देकर इतिश्री की, यही नहीं जिले में जनता, पत्रकार और कर्मचारी धरने पर बैठे हैं लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं। नगर निगम में सफाई कर्मचारियों की एक सप्ताह से चल रही हड़ताल का समाधान निकालने के बजाए आयुक्त महोदय आला अधिकारियों के साथ क्षेत्र के बाहर कंपनी देकर अपनी वफादारी का परिचय दे रहे हैं तो जिलाधीश महोदय किसानों की समस्याओं और योजनाओं पर सहकारिता के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बजाए झरने का लुफ्त ले रहे हैं और खास बात तो यह है कि इस मौजूद चारों अधिकारियों की गैर जिम्मेदार कार्यशैली के बावजूद भी कार्यकर्ताओं द्वारा बोस नाम से मशहूर क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर बिना नाम लिए तारीफ करते हुए थकते नहीं कुछ दिन पहले चुनाव के दौरान एक मंच पर उन्होंने कहा था कि अब चार चौके हमारे साथ हैं चिंता करने की कोई बात नहीं है। उस बयान को लेकर 2 दिन से शहर में खासी चर्चा हो रही है, जो भी व्यक्ति इस वीडियो को सोशल मीडिया पर देखता है वह नरेंद्र सिंह के उस बयान को और वर्तमान में जिले के हालातों को जोड़कर कई मायने निकाल रहा है। अब यह प्रदेश सरकार को सोचना है कि जनता की बातों को सरकार किस नजरिए से लेती है। किसान खाद के लिए दिन-रात धक्के खा रहा है, ऐसी स्थिति में शासन और प्रशासन से क्या उम्मीद की जाए। किस जिले में चार जगह धरना प्रदर्शन हड़ताल और विरोध है, किसान कालाबाजारी का शिकार हो रहा है और कोई भी इस विषय पर चर्चा करने के बजाय बैठकों में अधिकारी कर्मचारियों को अभद्र व्यवहार कर बेईज्जत करने के अलावा समस्याओं के निदान पर चर्चा होते दिखाई नहीं दे रही। क्या यही भाजपा सरकार के स्वशासन की पहचान है।

दुबे के जन्मदिवस पर नेत्र परीक्षण एवं रक्त दान शिविर का आयोजन

कैलारस। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कैलारस के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण दुबे के जन्मदिवस के अवसर पर विशाल नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजरमा पर किया गया, इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया, जिसमें लगभग 60 लोगों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनका आप्रेशन रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर में निःशुल्क किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड बनाते हुए 41 यूनिट ब्लड डोनेशन किया गया जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है, कार्यक्रम संयोजक ग्राम पंचायत सुजरमा के सरपंच अनुराग दुबे ने बताया कि आस-पास के क्षेत्र के लोगों के लिए निरंतर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आगामी भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में रतन ज्योति नेत्रालय के डॉक्टरों और उनकी टीम एवं ब्लडबैंक मुरैना की टीम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ. शोभाराम मिश्रा, डॉ. प्रिया गुप्ता, डॉ. ध्रुव अग्रवाल, डा. अशोक गुप्ता डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. शैलेन्द्र सिकरवार, डॉ. राघवेन्द्र कुशवाह, हेमंत शर्मा सरपंच सिंगाचौली, भूरा कुशवाह जनपद सदस्य, बंटी यादव, राजू धाकड़, विवेक धाकड़, हरिओम गोयल, एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

बुराइयों से मुक्ति ही शांति प्राप्त करने की युक्ति है: आचार्य

-प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्थान 22 दीदियों का आचार्य आनन्द टीम ने किया सम्मान

अम्बाह। शांति पर्व की बेला पर अंबाह हाथी गड्ढा स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान में शांति से आनंद की ओर कार्यक्रम का आयोजन आचार्य आनंद क्लब द्वारा किया गया। शांति पर्व का शुभारंभ सुधीर आचार्य ने परिष्कार ध्यान से कराया। इस अवसर पर संस्थान की संचालिका मुन्नी दीदी ने कहा कि जीवन कोलाहल से भरा है, सभी को शांति, सुकुन की जरूरत है लेकिन इसे पाने का यत्न कोई नहीं करता। उन्होंने कहा जैसा सुधीर आचार्य ने कहा कि बुराइयों से मुक्ति ही शांति प्राप्त करने की युक्ति है। डॉ आचार्य ने कहा कि यह बिल्कुल सही है हम जैसे-जैसे तमाम बुराइयों से स्वयं को मुक्त करते जाते हैं, वैसे ही शांति का आभास गहरा होता जाता है। आचार्य टीम द्वारा शांति पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान में आकर सभी दीदियों का सम्मान किया गया है, वह सही मायने में दीदियों को और ऊर्जा के साथ शांति, सौहार्द, समरसता के प्रयास करने को प्रोत्साहित किया है। इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी मुन्नी देवी, सीमा देवी, सीता देवी और माताएं अंगूरी बहन, इन्द्राणी बहन, ऊषा बहन, डॉ अनीता बहन, जानकी बहन, शारदा बहन, सरोज, सुमन बहन, लक्ष्मी, शारदा, कृष्णा, सुमन, आशा, पिंकी, मुन्नी तोमर बहन, सुशीला बहन, शशिबहन को शांति प्रवर्तिका सम्मान किया गया। इस अवसर पर आचार्य आनंद टीम के बालकृष्ण शर्मा, विश्वनाथ गुर्जर, दुष्यंत सिंह तोमर, अरविंद मावई, अंकित मिश्रा, बिंदुसार सिंह तोमर, महेंद्र सखवार का मुख्य सहयोग रहा। संचालन बिंदुसार सिंह तोमर ने और आभार अरविन्द मावई ने किया।

रिमझिम बरसात में अतिक्रमणकारीयो पर चला प्रशासन डंडा, हटवाया गया अतिक्रमण

पुलिस एवं राजस्व के सहयोग से नगरीय प्रशासन ने हटाया अस्थायी अतिक्रमण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-नगर में शनिवार को पुलिस एवं राजस्व के सहयोग से नगरीय प्रशासन ने व्यापारियो एवं सब्जी विक्रेताओं के द्वारा सड़क पर किये गए अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया।यह कार्यवाही दबोह थाने से लेकर पतारा बाग तक एवं कोंच तिराहा से लेकर खड़ग सिंह बाली गली तक की गई।इस दौरान सब्जी विक्रेताओं के हाथ ठेलों को सब्जी मंडी के अंदर कराया गया एवं व्यापारियो को एक निश्चित सीमा में समान रखने की समझाईश दी गयी।यहां बता दें कि पूर्व में भी यह अतिक्रमण पूर्व एसडीएम लहार के.व्ही. विवेक के द्वारा हटा दिया गया था परंतु पुनः कुछ महीनो के बाद कुछ एक व्यापारियो एवं सब्जी विक्रेताओं के द्वारा यह अतिक्रमण पुनः कर लिया गया था।जिसे नगरीय प्रशासन के द्वारा साफ

कर दिया गया।फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जब तक अतिक्रमणकारी व्यक्ति अपनी हरकतों से बाज नही आयेंगे तब तक यह कार्यवाही नही रुकेगी।वहीं प्रशासन सुदृढ़ यातायात व्यवस्था बनाने के लिए अब हर पन्द्रह दिन में इन अतिक्रमणकारियो के खिलाफ कठोर कार्यवाही करेगा।जिसके अंतर्गत इन पर जुर्माना लगा कर जुर्माना राशि भी बसूल की जाएगी।शनिवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान मे थाना दबोह उप.नि.अनिल सिंह गुर्जर,नायाब तहसीलदार अमित दुबे एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी बाबूलाल कुशवाह सहित पुलिस बल व नगरीय प्रशासन की टीम के साथ अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रशासन की समझाईश का मखोल बनाते नजर आये सब्जी व्यापारी

उल्लेखनीय है कि नगर के मुख्य मार्ग भिण्ड भांडेर रोड पर सब्जी मंडी गेट के पास ज्यादातर यातायात अवरुद्ध होता है।जिसका कारण सब्जी मंडी के बाहर लगने बाले सब्जी विक्रेताओं के हाथ ठेले है इन्ही ठेलों को अंदर करने के लिए प्रशासन के द्वारा शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है।परंतु जब तक प्रशासन कार्यवाही करता रहा तब तक तो यह हाथ ठेले सब्जी मंडी के अंदर रहे उसके बाद प्रशासन को ठंडा देख शाम के चार बजते ही एक-एक करके सारे हाथ ठेले मंडी गेट के बाहर निकल कर प्रशासन की समझाईश का मखोल उड़ाते हुए नजर आए।अब देखना यह होगा कि नगर की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए प्रशासन का अगला कदम क्या होंता है.?

जो देश को जोड़ने की बात करें उसके साथ जुड़ना चाहिए नरवर ब्लॉक अध्यक्ष -प्रीति भार्गव

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का रूट राज्य के इस हिस्से में निर्धारित किया है। कांग्रेस की तैयारी के अनुसार अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में 16 उपयात्राएं प्रारंभ होंगी जो अलग-अलग स्थानों पर जनसंपर्क करते हुए दिसंबर में भारत जोड़ो यात्रा में सम्मिलित होंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मध्य प्रदेश में दिसंबर के प्रथम सप्ताह में बुरहानपुर से प्रवेश करेगी। भारत जोड़ो यात्रा के मकसद को लेकर क्या कहती है शिवपुरी से नरवर की महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रीति भार्गव भारत जोड़ो यात्रा को लेकर शिवपुरी में बीते दिनों से शिवपुरी जिला कांग्रेस तैयारी कर रही है जिसको लेकर महिला नरवर ब्लॉक अध्यक्ष प्रीति भार्गव ने कहा कि यह यात्रा इसलिए जरूरी है, क्योंकि देश में नकारात्मक राजनीति की जा रही है और जनता से जुड़े असली मुद्दों पर चर्चा नहीं की जा रही है. ब्लॉक अध्यक्ष प्रीति भार्गव ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य महंगाई, बेरोजगारी जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है. नरवर ब्लॉक अध्यक्ष प्रीती का कहना है कि देश की उन्नति सर्व समाज और वर्ग की एकता में है जिसको लेकर राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य को लेकर भारत के सभी राज्य में पैदल चल कर देश की एकता भाईचारा और अखंडता के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं , इसका मकसद सियासी लाभ लेना नहीं है, बल्कि देश को जोड़ना है. जिसको लेकर शिवपुरी में भी इसी 26 तारीक को लेकर जिला शिवपुरी कांग्रेस बढ़े स्तर पर शिवपुरी में पदयात्रा निकाल रही है

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... आज दिनांक 24 सितंबर 2022 अंबाह पी .जी कॉलेज अंबाह में रासेयो स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ आर एस चौहान तथा अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने की। सरस्वती पूजन के उपरांत अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा तथा वरिष्ठ स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रक्षा कम्टान ने एन.एस.एस के प्रमाण पत्रों के विषय में विस्तृत जानकारी दी । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ आर एस चौहान जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य तथा आत्म अनुशासन के साथ समाज सेवा का भाव स्वयंसेवकों में होना चाहिए इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने समाज सेवा के माध्यम से युवा वर्ग के व्यक्तित्व का विकास एन.एस.एस से किस प्रकार होता है इस संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में 10 ÷सी% प्रमाण पत्र तथा 60 बी÷प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा सी प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया । सी प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले मलखान सिंह तोमर.धीरेंद्र सिंह .भरत वर्मा. चंद्रशेखर.राखी तोमर आदि ने राष्ट्रीय सेवा योजना के अनुभव साझा किए । कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी पंकज भदौरिया ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ पूर्णिमा अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विधानसभा चुनाव मैं पुरानी पेंशन बनेगा बड़ा मुद्दा,चुनाव से पहले पुरानी पेंशन बहाल करे सरकार--रावत

देश के अनेक राज्यों ने की पुरानी पेंशन बहाल

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - प्रदेश के कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन के लिए संघर्ष कर रहे हैं विधानसभा चुनाव से पहले लाखों कर्मचारियों के हित में सरकार को पुरानी पेंशन बहाल कर देना चाहिए ,न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश के लाखों कर्मचारी पिछले 5 वर्षों से पुरानी पेंशन के लिए ज्ञापन,धरना, प्रदर्शन के माध्यम से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचा चुके हैं द्य लेकिन अभी तक सरकार ने पुरानी पेंशन पर कोई कदम नहीं उठाया है देश के

अनेक राज्यों जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ़ ,झारखंड ,पंजाब मैं भी पुरानी पेंशन प्रदेश सरकारों द्वारा बहाल कर दी गई हैद्य पुरानी पेंशन का मुद्दा अब राजनीतिक दलों के लिए प्रमुख मुद्दा बन गया है पिछले दिनों कई राजनीतिक दलों द्वारा खुले मंच पर कहा गया है कि प्रदेशों में हमारी सरकार बनने पर हम कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देंगे संगठन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से अपील करता है लाखों कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के हित में आप भी प्रदेश के कर्मचारियों को 2005 से बंद की गई पुरानी पेंशन को पुनः बहाल कर लाखों कर्मचारियों के हितों एवं बुढ़ापे के सहारे कर्मचारियों की आत्मा पुरानी पेंशन को बहाल कर अगले विधानसभा चुनाव से पहले कर्मचारियों को सौगात दे जिससे कर्मचारी को सामाजिक, आर्थिक समानता मिल जाये प्रदेश का कर्मचारी आपका सदैव आभारी रहेगा

एक अद्भुत चित्रकार ऐसा भी चित्रकार जो तस्वीर देख कर मूर्ति का स्वरूप ऐतिहासिक स्वरूप रचता है

संवादाता हरिओम परिहार

इस दुनिया में एक से एक चित्रकार होते हैं लेकिन हमने ऐसा भी एक चित्रकार देखा है जो कि शिवपुरी तहसील अंतर्गत खनियाधाना ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में भी एक ऐसा

ही कलाकार सामने आया है जो अपने हाथों से इतिहासिक मूर्तियों की चित्रलेखा करता है एक होनहार व्यक्ति अद्भुत कलाकारी का अनूठा संगम देखा आत्मज्ञान से अपनी लगन शील प्रतिभाओं से सभी लोगों का मन रिझाता है अपनी कलाओं का अजब बेताब बादशाह जिसका नाम रामवीर ओझा उम्र 30 वर्ष की कार्यकारिणी में एक बेहतरीन कलाकृति का नमूना पेश किया लोगों के बीच जिससे क्षेत्र में एक बहुमूल्य चर्चित महान चित्रकार के नाम से यह शख्सियत अपनी छवि विखेर रहा है क्षेत्र में अपनी पहचान वर्ष 2018 से यह चित्रकला की शुरुआत की और अपनी कला का नमूना लोगों के बीच पहुंचाया लोगों को चित्रकला बेहद पसंद आई।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने विभिन्न मांगों को लेकर आयुक्त के नाम सौंपा ज्ञापन

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर। जिले के पिछोर विकासखंड में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन पिछोर द्वारा आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के नाम एसडीएम को कई सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया कि आरटीई की राशि का शीघ्र भुगतान करने,सत्र 19-20 हेतु पोर्टल को पुनः चालू करने के साथ ही कक्षा पांच एवं आठ की बोर्ड परीक्षा संबंधी आदेश को स्थिगित करने के संबंध में मांगे रखीं गई। वहीं एसडीएम बृजेन्द्र यादव की अनुपस्थित में उनके बाबू अंकित व्यास को ज्ञापन सौंपा गया।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज गुप्ता व सचिव मनीष लोधी ने बताया कि आरटीई का पोर्टल सही ढंग से काम ना करने के कारण सत्र 19-20 के आर टी ई के प्रपोजल बहुत से विद्यालय लॉक नहीं कर पाए और पोर्टल को बंद कर दिया गया जिसे पुनः चालू किया जावे अन्यथा बहुत बड़ी संख्या में प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ रहे गरीब एवं कमजोर वर्ग के छात्र आरटीई का लाभ लेने से वंचित रह जाएंगे,सत्र

2020-21 एवं 21-22 का आरटीई की राशि का भुगतान आज दिनांक तक विद्यालयों को नहीं किया गया है जबकि बार बार मांग करने पर केवल यह आश्वासन दिया जाता रहा है कि अब आर टी ई का भुगतान उसी सत्र मे निश्चित तौर पर कर दिया जाएगा, साथ ही यह भी बताया कि सत्र अप्रैल माह से प्रारंभ हो चुका है और सत्र के मध्य मे आकर कक्षा पांच एवं आठ की बोर्ड परीक्षा के संबंध में आदेश जारी करना उचित नहीं है क्योंकि वैसे भी पिछले दो सत्रों में कोरोना के कारण छात्रों की पढ़ाई का बहुत नुकसान हुआ है और उसके पश्चात एकदम छोटे-छोटे बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए बोलना उचित नहीं है इससे छोटे छात्र मानसिक रूप से तनाव में आएंगे इसलिए इस आदेश को कम से कम इस सत्र के लिए टाला जावे और बोर्ड परीक्षा जब भी प्रारंभ की जावे उस सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व आदेश जारी किया जावे।

यदि उक्त मांगों को गंभीरता पूर्वक विचार नहीं किया जाता है तो निश्चित ही एसोसिएशन पूरे प्रदेश में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

इस मौके पर एशोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष मनीष गुप्ता,जिला कार्यकारिणी के सदस्य मनोज पाठक,सचिव मनीष लोधी,उपाध्यक्ष रणवीर सिंह यादव,कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र लोधी,सह सचिव राकेश लोधी मीडिया प्रभारी उमेश लोधी, राजेश राजोरिया,मनीष गुप्ता, रामप्रकाश लोधी,वसंत गुप्ता,पवन गुप्ता,अमित गोयल सहित ब्लॉक के कई स्कूलों के संचालक उपस्थित रहे।

गुंजारी नदी रपटे के ऊपर पानी का बहाव हुआ तेज आवागमन हुआ बाधित

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोटर

पुष्पांजलि टुडे

कोलारस-खबर शिवपुरी जिले की कोलारस से हैं जहाँ शहर मै हो रही लगातार बारिश के कारण कोलारस शहर के बीच से निकली गुंजारी नदी रपटे से ऊपर बह रही हैं जिसकी बजह से आवागमन बाधित हो रहा हैं जिससे शहर बासियों को निकलना मुश्किल हो गया हैं इस रपटे से निकलने वाले दोपहिया वाहन चार पहिया वाहनों को निकलने में बहुत ही ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण कोलारस नगर में रहने वाली नीचे स्तर की वस्तियों के लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो रहा है पिछले लगातार गत वर्षों से लगातार हो रही बारिश का प्रशासन किसी भी प्रकार से कोई ध्यान नहीं है और लगातार शिकायतों के बावजूद भी शासन-प्रशासन इस बारे में सोच नहीं रहा है इसके बारे में सोचना प्रशासन का कार्य है लेकिन लगातार जनसुनवाई में और अन्य संवाभित विभागों में शिकायत करने के बावजूद भी प्रशासन ने अभी

तक इस ओर ध्यान नहीं दिया है हाल ही में नगर परिषद के चुनाव होने के बावजूद भी नगर परिषद अध्यक्ष बने अध्यक्ष भी इस विषय पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जबकि उनको हर प्रकार से इस समस्या को संज्ञान में दिया जा चुका है नगर परिषद अध्यक्ष ने इस ओर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण आज की तारीख में आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है लगातार 15 वर्षों से नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे के द्वारा इस विषय पर किसी प्रकार का कोई भी हल नहीं निकाल पाए है वर्तमान में रविन्द्र शिवहरे की भाई की बहू नगर परिषद अध्यक्ष पद पर हैं ऐसे लोगों को नगर अध्यक्ष रहने का कोई हक नहीं है जो आज दिनांक नगर की इस समस्या का कोई हल नही निकाल पाए

महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था रत्नौद के संचालक मण्डल के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम जारी

शिवपुरी -म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री एम.बी.ओझा द्वारा महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या. रत्नौद के संचालक मण्डल के सदस्यों, पदाधिकारियों एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सहकारी निरीक्षक पारथ दुबे को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी कार्यक्रम के तहत महिला पदों के विनिश्चय हेतु संचालक मण्डल की आमसभा की सूचना एवं निर्वाचन कार्यक्रम जारी किए जाने की तिथि 7 अक्टूबर, नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाने की तिथि 14 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन की तिथि 15 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन की तिथि 16 अक्टूबर, विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना की तिथि 21 अक्टूबर, रिक्त स्थानों के सहयोजन की तिथि 22 अक्टूबर, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सूचना जारी किए जाने की तिथि 22 अक्टूबर तथा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन की तिथि 26 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

विद्यार्थी परिषद पिछोर की नवीन कार्यकरणी की हुई घोषणा जिसमे नगर अध्यक्ष दीपक राजपूत व नगर मंत्री श्यामसुंदर प्रजापति बने

रिपोर्टर महेंद्र सिंह रजक पुष्पांजली टुडे

पिछोर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई की वर्ष 2022- 23 की नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा जिसमे शिवपुरी विभाग प्रमुख आदित्य जी पाठक द्वारा नवीन कार्यकरणी के नगर अध्यक्ष दीपक जी राजपूत एवं नगर मंत्री श्याम सुंदर प्रजापति जी की घोषणा की मंच संचालन दीपक पालवंशी द्वारा किया गया साथ ही वर्ष भर में होने बाली गतिविधियों पर चर्चा हुई उस के पश्चात नवीन नगर अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओ को शुभकामनाएं देते हुए वर्ष भर के कार्यक्रमो पर चर्चा हुई अन्य दायत्व पर नगर उपाध्यक्ष ,रवि प्रजापति ,सोनू शर्मा, देवाशीष भदौरिया, विजयराम लोधी, नगर सहमंत्री संजीव पाल,राधिका शर्मा,बंदना केवट ,रूपेश पटेल,महा.प्रमुख हितेश पाल, ऋषि कोली, विद्यालय प्रमुख, विकाश तिवारी, प्रियंका कुशवाह कार्यलय मंत्री सतेंद्र बिदुआ,सोनू प्रजापति ,सहस्र प्रमुख ,सत्यम शर्मा,राहुल शर्मा ,कला मंच प्रमुख, दिव्य कुशवाह ,नमन मिश्रा,मीडिया प्रभारी, ज्ञानेश भट्ट,गिर्राज दुवे तकनीकी प्रमुख ,अजय कुशवाह ,यश भार्गव के साथ अन्य नवीन कार्यकर्ता उपस्थित रहे

शासन की योजनाओं और निर्माण कार्यों में जनता की संतुष्टि जरूरी: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करें, विकास और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। कार्यों के प्रति जनता को संतुष्टि मिलना चाहिए। उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा और लापरवाही बतरने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने डिंडौरी जिले में प्रधानमंत्री उज्?वला योजना में हितग्राहियों को लाभांवित करने की धीमी प्रगति के कारण जिला आपूर्ति अधिकारी टी.आर. अहिरवार को निलंबित करने और योजना में कार्य करने वाली गैस एजेंसियों की जाँच भी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को डिंडौरी जिले के ग्राम जोगी टिकरिया में मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते सहित विधायक जन-

प्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जबलपुर से अमरकंटक तक फोर लाईन सड़क का निर्माण कार्य 400 करोड़ रूपये की लागत से पूरा किया जाएगा। डिंडौरी से शहडोल मार्ग का निर्माण भी गुणवत्तापूर्वक पूरा किया जाएगा। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। उन्होंने जोगीटिकरिया में नर्मदा नदी के घाटों का सौंदर्यीकरण करने की बात कही। नर्मदा नदी के घाटों का सौंदर्यीकरण करने से श्रद्धालुओं को नर्मदा नदी के दर्शन एवं स्नान करने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान में शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविर में हितग्राहियों का चयन कर उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में सभी पात्र हितग्राहियों का चयन कर उन्हें शासन की योजनाओं से लाभांवित किया जाये।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन में घर-घर तक नल से पेयजल पहुँचाया जाएगा। इससे ग्रामीण परिवारों को पेयजल समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। लोगों को पानी के लिए दूर-दूर तक पैदल जाने की समस्या दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मिशन अंतर्गत जिले में संचालित 351 नलजल योजनाओं के कार्यों को गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मिशन के कार्यों की जनता भी मॉनीटरिंग करेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में संतुष्टि नहीं होने पर सीएम हेल्पलाईन 181 में शिकायत दर्ज करें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना से किसानों को लाभांवित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रूपए तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से प्रतिवर्ष 4 हजार रूपए प्रदान किये जाते हैं। उन्होंने डिंडौरी में योजनाओं से लाभांवित होने वाले किसानों की संख्या के अंतर को 15 दिवस में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

महेंद्र मुणोत ने फार्मासिस्ट का झंडा फहराकर कर रैली की किया शुरूआत

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरू ~ विश्व फार्मासिस्ट दिवस के एक उत्सव के रूप में, सेंट जॉन कॉलेज ऑफ फार्मेस विजयनगर, बैंगलोर द्वारा जागरूकता वॉक का आयोजन किया गया था। विजयनगर के मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुनोत और एक फार्मासिस्ट ने खुद फार्मासिस्ट का झंडा फहराकर रैली की शुरुआत की।इस रैली में फार्मासिस्ट छात्रों ने विजयनगर की विभिन्न सड़कों पर पर्चे बांटे और जन जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक किया। रैली को संबोधित करते हुए महेंद्र मुनोत ने कहा दवाओं की जानकारी सिर्फ फार्मेसी की किताबों में छिपी होती है. लेकिन समय-समय पर नई दवाओं की खोज होती है. हमें फार्मासिस्ट ही नहीं बल्कि दवाओं के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। हालांकि हम अपने जीवन के काम के लिए सेल्समैन हैं, हमारी पहली प्राथमिकता मरीजों के लिए है। हमें व्यवसाय को एक सेवा के रूप में स्वीकार करने का दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए, यह मानते हुए कि सेवा ही एकमात्र चीज है, उसने फोन। समापन समारोह में कॉलेज प्रबंधन ने महेंद्र मुनोत का अभिनंदन किया.

भरेड़ नदी का पुल बारिश में कर जानें से क्षतिग्रस्त हुआ, आवागमन पर मंडराया खतरा

रिपोर्टर-प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़ के भोपाल रोड़ भरेड़ नदी का पुल के नीचे कटाव के कारण पुल के नीचे का मैटेरियल तेज़ बारिश एवं पानी के भारी बहाब से क्षतिग्रस्त होकर वह गया। नदी की सफाई के दौरान उन्होंने देखा तो बताया इस पुल पर से प्रतिदिन भोपाल से मधुसुदनगढ़ आने जाने वाले सैकड़ों वाहन गुजरते है। इसलिए दुर्घटना की संभावना बनी हुई है।समय पर इस पुल की मरम्मत नही की गई तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।समय रहते प्रशासन को इस और ध्यान देने की आवश्यकता है।

आज भोपाल प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री मोहन सिंह राठौड़

भितरवार विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य की समस्याओं जिसमें भितरवार स्वास्थ्य केंद्र मैं डॉक्टरों की कमी , बाउंड्री वॉल तथा अन्य आवश्यकताओं को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री माननीय

डॉक्टर प्रभु राम चौधरी जी से मुलाकात की माननीय मंत्री जी ने इस पर शीघ्र निर्णय लेने का आश्वासन दिया तत्पश्चात भितरवार में नवीन भवन की स्वीकृति पर मंत्री जी को भारतीय जनता पार्टी के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं और जनसेवक साथियों की ओर से धन्यवाद दिया तथा निकट भविष्य में शीघ्र भूमि पूजन कार्यक्रम मैं पधारने का भी निमंत्रण दिया तथा इस भवन की स्वीकृति के लिए प्रदेश के *मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी तथा क्षेत्र के विकास के प्रति सदैव समर्पित केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी लोकप्रिय सांसद शेजवलकर जी प्रभारी मंत्री श्री तुलसी सिलावट जी का सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया

सीमित संसाधनों में बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए- संभाग आयुक्त

संवादाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

शिवपुरी, 24 सितम्बर 2022/ संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। संभागायुक्त श्री आशीष सक्सेना ने विभिन्न पदों पर रहते हुए प्रदेश के कई जिलों में अपनी सेवाएं दी हैं। ग्वालियर चंबल संभाग में कई नवाचार करते हुए सुशासन की दिशा में कार्य किया है जिसका उदाहरण है बीट समाधान व्यवस्था, समरस गांव, न्याय आपके द्वार और ई-ऑफिस प्रणाली।

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना शनिवार को शिवपुरी भ्रमण पर आए। यहां जिला प्रशासन द्वारा धन्यवाद समारोह आयोजित किया गया। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने

संबोधित करते हुए कहा कि हमें सीमित संसाधनों में बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए और हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जनसेवा का उद्देश्य हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि संभागायुक्त के मार्गदर्शन में शिवपुरी जिले में बेहतर कार्य करने का प्रयास किया गया है जिसमें चाहे बीट समाधान केंद्र हो या समरस गांव की व्यवस्था। संभाग आयुक्त के निर्देशन में ई-ऑफिस प्रणाली को भी लागू किया गया है। कार्यक्रम में संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना परिवार सहित शामिल हुए। आइटीबीपी डीआईजी, आइबी प्राचार्य, आबकारी डिप्टी कमिश्नर, मेडिकल कॉलेज डीन सहित समस्त एसडीएम, जिलाधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। अन्य अधिकारियों ने भी संभागायुक्त के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

टीकमगढ़ नहीं रुक रहा रेत का अवैध कारोबार रात को होता है रेत का अवैध आवागमन

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
टीकमगढ़ संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़। खनिज विभाग कुंभकरण की नींद सोता है सूत्रों की माने तो विभाग की मिलीभगत से अवैध रेत वाले फलते फूलते

नजर आते हैं टीकमगढ़ ही नहीं आस पास के एरिया में अवैध रेत का उत्खनन परिवहन अवैध भण्डारण करना (डम्प करना) एवं खेत, खलियान, वन भूमि, निजी भूमि पर मिट्टी से रेत तैयार करना रेत तैयार किये जाने से रेत माफिया मध्यप्रदेश शासन को पर डे लाखों की राजस्व हानि पंहुचा जा रहे है और पर्यावरण में असंतुलन पैदा कर रहे है इन रेत माफियाओ के द्वारा रेत को बड़े वाहनों से ढोकर फिर टेक्टर ट्राली के जरिए उंचे दामों पर आम नागरिकों को बेच रहे है कई जगह तो रेत माफियाओं द्वारा मिट्टी का उत्खनन कर गहरी गहरी खाईयां बना दी गई है अवैध रेत छीपोन ,मवई ,श्रीनगर ,गड़ा घाट और नारगुडा जैसे कई स्थानों से आ रही है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 'ना फिक्र ना रोग' मिशन से संगिनी सहायता समूह ने वितरित लिए निशुल्क सेनेटरी पैड

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड। आजीविका मिशन महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम के समय 17 9 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर संगिनी स्व सहायता समूह ने निशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए मिशन ना फिकर ना रोग संगिनी स्व सहायता समूह की ओर से कार्यशाला जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, उदित कॉर्नर योजना के अंतर्गत जागरूकता शिक्षा स्वच्छता रोजगार संगिनी सहायता समूह लंबे समय से भिंड में कार्य कर रहा है। संगिनी समूह की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शुक्ला के द्वारा यह बताया गया है की इस तरह की कार्यशाला का कार्यक्रम पंचायत स्तर व ब्लॉक स्तर पर और जिला स्तर पर भी किए जाएंगे इसकी रूपरेखा तैयार की गई है श्रीमती शुक्ला ने बताया इस कार्यक्रम में हमारे साथ श्रीमती ममता शर्मा वाह श्रीमती सुनीता सोनी उपस्थित रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्राम ग्रामवासी 50 से 60 किशोरी बालिका इस कार्यक्रम का हिस्सा बने इस तरह की कार्यशाला पंचायत स्तर और ब्लॉक स्तर पर एवं जिला मुख्यालय पर भी की जाएंगी इसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

रक्तदान जीवनदान, चलो करें रक्तदान और बने हम देश का अभिमान डॉक्टर आलोक शर्मा बी एम ओ गोहद

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद के शासकीय चिकित्सालय में दिनांक 25 सितंबर 2022 को सुबह 10-00 बजे से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है ।जिसमें वरिष्ठ अधिकारियो के द्वारा रक्त दान दाताओं को प्रमाण पत्र दिए जायेंगे और रक्त दान दाताओं को प्रेरणा देने वालों व्यक्ति अपना प्रमाण पत्र ई- रक्त कोश एप से डाउनलोड कर सकते हैं। इसलिए आप सभी से आग्रह है।अपना पंजीयन हड्डाह्ल चश्मह्लद्ध श्वशह्लड्डद्ब श्वद्गह्ल कराने के लिए अपना नाम,उम्र, मोबाइल नंबर,पता और मोडिवेटर में रक्त दान करने वाले रक्तदान दातायो के तीन नाम आप मेरे पास भेज सकते है। रक्त दान जीवन दान,एक बार करके तो देखे। अच्छा लगेगा जब आपके रक्त से किसी की जान बच जाए। रक्तदान करके अच्छा लगता है एक बार रक्तदान जरूर करें। साथ ही जे पी अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान करने से कोई शारीरिक व मानसिक कमजोरी नहीं आती है बल्कि हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। तथा कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है जिसकी उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच में है। रक्तदान की अपील करने वालों में प्रमुख रूप से डॉक्टर आलोक शर्मा बी एम ओ गोहद, जे पी अग्रवाल,आशीष लोहिया, प्रवीण बंसल, गिर्राज निखरा, अनिल शर्मा, आशीष मुदगल, विनोद चौहान, बंटी खान, सरदार अमनदीप, भरत अग्रवाल, चेतन जैन, विनय ओझा एवं विकास माहौर आदि लोग शामिल हैं।

महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था रत्नौद के संचालक

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

शिवपुरी, 24 सितम्बर 2022/ म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री एम.बी.ओझा द्वारा महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या. रत्नौद के संचालक मण्डल के सदस्यों, पदाधिकारियों एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सहकारी निरीक्षक पारथ दुबे को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी कार्यक्रम के तहत महिला पदों के विनिश्चय हेतु संचालक मण्डल की आमसभा की सूचना एवं निर्वाचन कार्यक्रम जारी किए जाने की तिथि 7 अक्टुबर, नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाने की तिथि 14 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन की तिथि 15 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन की तिथि 16 अक्टूबर, 22 अक्टूबर तथा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन की तिथि 26 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

महा उपभोक्ता लोक अदालत 12 नवम्बर को

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- उपभोक्ता संबंधी मामलों के त्वरित निराकरण के लिए 12 नवम्बर को महा उपभोक्ता लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस आशय की जानकारी देते हुए श्रीमती अलका श्रीवास्तव रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने बताया कि राज्य उपभोक्ता आयोग एवं जिला उपभोक्ता आयोगों में 17 सितम्बर को आयोजित वृहद लोक अदालत स्थगित की जाकर अध्यक्ष राज्य उपभोक्ता आयोग न्यायमूर्ति श्री शान्तनु एस. केमकर के मार्गदर्शन में 12 नवम्बर को राष्ट्रीय स्तर की महा उपभोक्ता लोक अदालत आयोजित होगी।

प्रतिबंध लगाकर भूला प्रशासन, धड़ल्ले से मध्य प्रदेश में हो रहा प्लास्टिक का उपयोग

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रशासन सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पालीथिन कैरी बैग पर प्रतिबंध लगाकर भूल ही गया। प्रतिबंध के पौने तीन महीने बाद भी थोक बाजार से सब्जी बाजार तक धड़ल्ले से अमानक स्तर की प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है। यहां तक कि पालीथिन में उन मरीजों को भी गर्मागरम चाय और दही परोसा जा रहा है, जो इलाज कराने के लिए अस्पतालों में भर्ती हैं।

इन हालातों में भी स्थानीय प्रशासन मौन है। शुरूआत में अभियान चलाकर प्लास्टिक जब्त करने के बाद किसी ने मुड़कर भी नहीं देखा। ज्ञात हो कि भारत सरकार ने जुलाई-2022 से देशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मध्य प्रदेश सरकार मई-2017 में 75 माइक्रोन से अधिक मोटाई के पालीथिन कैरी बैग के उपयोग पर प्रतिबंध लगा चुकी है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में स्थानीय प्रशासन की शह पर प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि सभी को पता होने के बाद भी सब्जी बाजार, किराना दुकान, चाय की दुकानों पर पालीथिन में सामग्री दी जा रही है। नगरीय निकाय के जिम्मेदार अधिकारी रस्म अदायगी के लिए कभी-कभी बाजार में निकलते हैं और कुछ फुटकर व्यापारियों पर कार्रवाई कर पाते हैं, तब तक उस बाजार से प्लास्टिक गायब हो जाती है। प्लास्टिक पर पूरी तरह से रोक लगाने की जिम्मेदारी नगरीय विकास एवं आवास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की है। इनके पास ठीक-ठीक यह जानकारी भी नहीं है कि प्लास्टिक आ कहां से रही है। क्योंकि प्रदेश में ऐसे 21 उद्योग जून 2022 में ही बंद किए जा चुके हैं।

गुजरात-महाराष्ट्र से आ रही प्लास्टिक

प्रदेश में प्रतिबंध के बावजूद चोरी-छिपे प्लास्टिक बनने से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा गुजरात एवं महाराष्ट्र से भी प्लास्टिक लाई जा रही है। प्रतिबंध के चलते यहां आने वाली

प्लास्टिक के दाम भी ज्यादा लिए जा रहे हैं।

इस सामग्री पर लगी रोक

सिंगल यूज प्लास्टिक से बने झंडे, प्लेट, कप, गिलास, कटलरी (कांटे, चम्मच, चाकू, ट्रे), मिठाई के बाक्स, निमंत्रण पत्र, सिगरेट के पैकेट पर लपेटे जाने वाली फिल्म, सौ माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक एवं पीवीसी बैनर, स्टिक, गुब्बारे, कैंडी और आइसक्रीम की स्टिक, सजावट के लिए थर्माकोल की सामग्री पर रोक है।

50 रुपये से पांच हजार रुपये तक जुर्माना

सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन एवं उपयोग पर उत्पादनकर्ता, विक्रेता, उपयोगकर्ता एवं परिवहनकर्ता पर 50 रुपये से लेकर पांच हजार रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रविधान है। जिसे बढाया भी जा सकता है।

भोपाल में सिर्फ दो क्विंटल प्लास्टिक जब्त

भोपाल में पिछले दो माह में नगर निगम ने सिर्फ दो क्विंटल प्लास्टिक जब्त की है। 120 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं और 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं राजधानी में प्रतिदिन 20 टन प्लास्टिक और पालीथिन कचरा निकलता है।

जबलपुर में 76 टन प्लास्टिक जब्त

जबलपुर शहर में प्रतिदिन 25 टन प्लास्टिक कचरा निकल रहा है। जिसका निष्पादन कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में किया जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डा. आलोक जैन ने बताया कि पिछले महीनों में सिंगल यूज प्लास्टिक बनाने वाले पांच उद्योगों को बंद कराया है। गौर जमतरा में कारखाने को सील किया है। बालाजी ट्रांसपोर्ट के गोदाम पर दबिश देकर एक करोड़ 14 लाख रुपये मूल्य का 76 टन सिंगल यूज प्लास्टिक और अमानक पालीथिन जब्त की है। वहीं 264 के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए एक लाख 63 हजार 540 रुपये जुर्माना लगाया गया है।

सरकार लाचार, जागरुकता से ही आस

जब जिम्मेदार अधिकारियों से बात की गई, तो उनका कहना था कि प्रतिबंध लगाने से नहीं जनता के जागरुक होने से ही प्लास्टिक पर रोक लगेगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह कहते हैं कि निकाय लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। प्लास्टिक जब्त की जा रही है और संबंधितों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। जनता में जागरुकता भी जरूरी है।

हजीरा क्षेत्र के पुराने औद्योगिक क्षेत्र में हुई अग्नि दुर्घटना

ऊर्जा मंत्री, महापौर सहित प्रशासनिक अमला पहुँचा मौके पर

नगर निगम के साथ ही बामौर, टेकनपुर व मालनपुर की फायर गाड़ियां भी बुलाईं

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के हजीरा क्षेत्र के पुराने औद्योगिक क्षेत्र में स्थित तलवार वाले बाड़े में संचालित जूते की फैक्ट्री में अचानक आग लगने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुँचे।

अग्नि दुर्घटना दोपहर में हुई। सूचना मिलते ही नगर निगम का फायर अमला मौके पर पहुँचा। इसके साथ ही आग पर काबू पाने की कार्रवाई प्रारंभ की गई। अग्नि दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, एडीएम श्री इच्छित गढ़पाले, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर सहित जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौके पर पहुँचे। अग्नि दुर्घटना पर तत्काल काबू पाने के लिये सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। अग्नि दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

नगर निगम के फायर ऑफीसर श्री विवेक दीक्षित ने बताया कि नगर निगम की फायर गाड़ियों ने लगभग 25 चक्कर लगाकर अग्नि दुर्घटना पर काबू पाने की कार्रवाई की। इसके साथ ही मालनपुर, टेकनपुर और बामौर की फायर गाड़ियां भी आग पर काबू पाने के लिये बुलाई गईं। यह भी बताया गया है कि जिस फैक्ट्री में आग लगी है, वहाँ पर जूते निर्माण का कार्य किया जाता था। जिसमें प्लास्टिक का उपयोग भी होता था। फायर अमले ने अग्नि दुर्घटना पर काबू पा लिया है।

जेयू में निशुल्क डायबिटिक नेत्र परीक्षण शिविर आज

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं रतन ज्योति नेत्रालय के सहयोग से 25 सितंबर रविवार को एक विशाल डायबिटिक नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन जीवाजी विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र, विश्वविद्यालय परिसर सिटी सेंटर में प्रातः 09ः00 बजे से दोपहर 1ः00 बजे तक किया जाएगा। शिविर में नेत्र परीक्षण,ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, रेटिना(आंखों के पर्दे की जांच)जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में कुलपति जीवाजी विवि प्रो.अविनाश तिवारी व कुलसचिव अरूण सिंह चौहान सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। स्वास्थ्य केंद्र के कॉर्डिनेटर प्रो.मुकुल तेलंग ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षण उपरांत चयनित मरीजों का मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन (बिना टीका पद्धति द्वारा)रतन ज्योति नेत्रालय में रियायती दर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग इस शिविर का लाभ लें एवं अपनी सहभागिता दें। नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण हेतु लाभान्वित मरीज को अपने साथ आधारकार्ड की फोटोकॉपी एवं मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है।

विश्व का सबसे बढ़ा युवाओं का संगठन राष्ट्रीय सेवा योजनाः डॉ. मनोज

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

भारत युवा प्रधान देश है जिसका लोहा पूरा विश्व मानता है राष्ट्रीय सेवा योजना ऐसे ही विश्व का सबसे बढ़ा युवा संगठन है जिसमें स्वयंसेवक स्वयं की प्रेरणा से कार्य करते हैं। राष्ट्र निर्माण के लिये युवा शक्ति की आवश्यकता होती है यह बात डॉ. मनोज चतुर्वेदी ने कहीं। इस युवा शक्ति के लिये महाविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना शासन द्वारा चलाई जा रही है। माधव महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 24 सितम्बर को एन.एस.एस. डे के रूप में मानाया जिसमें युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित व सेवाभाव के लिये तैयार किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मनोज चतुर्वेदी पूर्व जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, डॉ. संजय रस्तोगी प्राचार्य डॉ. मनोज अवस्थी, जिला संगठक, डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना व डॉ. विकास शुक्ला कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों को रा.से.यो. बैज लगाकर स्वयं सेवकों द्वारा किया गया।

एन.एस.एस. डे पर डॉ. चतुर्वेदी ने स्वयं सेवकों से राष्ट्र व समाज के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया। यह एन.एस.एस. हमारे समाज सेवा के साथ-साथ व्यक्तित्व का निर्माण करती है। हम भविष्य में किसी भी प्रकार के कार्य में एन.एस.एस. का योगदान देख सकते है। डॉ. अवस्थी ने रा.से.यो. स्वयं सेवकों को एन.एस.एस. के सिद्धान्तों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जो भविष्य में हमारे पाठ्यक्रम के रूप में लागू होने वाली है। डॉ. रस्तोगी ने एन.एस.एस. छात्र / छात्राओं से अनुशासन व समाजसेवा के द्वारा जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित करने के लिये कहा। इस जागरूकता के द्वारा हम समाज के लोगों में फैली भ्रान्तियों को दूर कर जागरूक करने का कार्य करेगें।

तभी ...समाज व राष्ट्र का निर्माण सम्भव

डॉ. मनोज ने स्वयं सेवकों से कहा कि एक साथ मिलकर यदि युवा शक्ति आगे बढ़ती है तो समाज व राष्ट्र का निर्माण सम्भव है क्योंकि भारत को युवा प्रदान देश कहा जाता है। डॉ. पाण्डेय ने एन. एस. एस. स्वयं सेवकों से कहा कि रा.से.यो. में किये गये कार्यों के द्वारा हम स्वयं को भी आगे बढ़ाते है और इस श्रेष्ठ कार्य के द्वारा कई प्रकार के पुरस्कार प्राप्त कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पम्पों की जाँच के लिये दल गठित

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में स्थापित पेट्रोल पम्पों की जाँच के लिये कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री ओ पी पाण्डे ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों के नेतृत्व में दल गठित किए हैं। उक्त दल अपने-अपने क्षेत्र में स्थापित पेट्रोल पम्पों की जाँच करेंगे। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री पाण्डे ने बताया कि डबरा एवं भितरवार अनुभाग क्षेत्र के लिये कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री संदीप पाण्डे, मुरार ग्रामीण एवं मुरार शहर के लिए श्री अरविंद सिंह भदौरिया, अनुभाग घाटीगाँव के लिये श्री विपिन कुमार श्रीवास्तव, ग्वालियर के लिये श्री महावीर राठौर, झाँसी रोड़ अनुभाग के लिये श्री सौरभ जैन और लश्कर अनुभाग के लिये कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सरिता कुशवाह को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिला पंचायत सीईओ श्री तिवारी ने किया ग्रामीण क्षेत्र में किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य का औचक निरीक्षण

ग्वालियर। ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीणों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ मिले और योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से हो, इसकी हकीकत जानने के लिये जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी शनिवार को अचानक ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण पर पहुँचे। उन्होंने डबरा विकासखंड के ग्राम बैरागढ़, छोटी अकबई, सिरोफ सफाई, चोमौ, सेंथौल, खजूराई की नल-जल योजनाओं एवं पंचायत विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने ग्रामीण क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से भी विस्तार से चर्चा की और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीणों को हितग्राहीमूलक योजनाओं के लाभ के लिये किए जा रहे सर्वेक्षण का भी औचक निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत श्री तिवारी ने ग्रामीणों को बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शासन की लगभग 33 कल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सर्वेक्षण का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि सर्वेक्षण दल को अपने परिवार की जानकारी अवश्य दें, ताकि जिन योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सकता है वह समय पर मिल सके। उन्होंने नल-जल योजना के क्रियान्वयन से हो रहे लाभ के संबंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अनमोल कोचर भी उपस्थित थे।

एम्बेड नुक्कड़ नाटक टीम ने गली-गली घूमकर नाटक के माध्यम से दिया डेंगू से बचाव व रोकथाम का सन्देश

ग्वालियर। ग्वालियर को स्वस्थ् व स्वच्छ तथा डेंगू - मलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में जिला स्वास्थ्य समिति एवं फेमिली हेल्थ इंडिया, नगर निगम ग्वालियर तथा एम्बेड परियोजना की संयुक्त कार्यवाही के तहत आज एम्बेड टीम द्वारा रैली व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वार्ड-9, 10 व 57 के मोहल्ला क़ानून गोयान, गोलपाडा, रानीपुरा एवं वीजासेन मुहल्ला में डेंगू व मच्छर की रोकथाम का सन्देश दिया। ग्वालियर शहर में डेंगू नियंत्रण की दिशा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनीष शर्मा के मार्गदर्शन व जिला मलेरिया अधिकारी डा. विनोद डोनेरिया के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वार्ड-9, 10 व 57 के मोहल्ला क़ानून गोयान, गोलपाडा, रानीपुरा एवं वीजासेन मुहल्ला में एम्बेड स्वयं सेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मच्छर जनित बीमारियों जैसे डेंगू - मलेरिया व चिकुनगुनिया आदि से बचाव के विषय में समुदाय को बताया कि हमें मच्छरों का पानी से संपर्क रोकने के लिए पानी को हमेशा ढाककर रखना चाहिये और आसपास जलभराव नहीं होने देना चाहिये ताकि मादा मच्छर अंडे न दे सके और मच्छरों की संख्या नियंत्रित कर हम डेंगू को भी नियंत्रित कर सकेगें। नाटक के दौरान कलाकारों द्वारा मच्छर का रूप धारण कर उसके जीवन चक्र के विषय में बताया तथा आम जनता को डेंगू का लार्वा दिखा कर उसे नष्ट करने के तरीके बताते हुए पानी के वर्तनों जैसे कूलर टंकी मटकों आदि को हर चौथे दिन साफ़ करने व बुखार होने पर तुरंत खून की जाँच करा कर डाक्टर की सलाह से सम्पूर्ण इलाज लेने की समझाइश नुक्कड़ नाटक के कलाकारों व एम्बेड स्वयं सेवकों द्वारा दी गयी। क्षेत्रीय समन्वयक एम्बेड परियोजना फेमिली हेल्थ इंडिया विजय मिश्रा ने बताया की डेंगू के खतरों से आमजन की सुरक्षा हेतु वार्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकों का आयोजन कर डेंगू रोकथाम की कार्यवाही भी की जा रही हैं और ये गतिविधियां एवं जागरूकता कार्यक्रम शहर की बस्तियों में लगातार जारी रहेगा इसके साथ साथ मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा घर घर जाकार भी लोगों को समझाईश देने व लार्वा विनिष्टीकरण की कार्यवाही की जा रही है।

पशु रोगों से संबंधित समस्या के लिए पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से करें संपर्क

कंट्रोल रूम एवं अन्य महत्वपूर्ण नम्बर जारी

ग्वालियर। गाय एवं भैंस वंशी पशुओं में फैल रहे संक्रामक रोगों से संबंधित समस्या के लिए शहर के नागरिक एवं पशु पालक पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर उनसे जानकारी एवं सलाह ले सकते हैं। उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग डॉ. के एस बघेल ने बताया है कि ग्वालियर जिले में पशुओं के उपचार एवं अन्य सहायता के लिए कंट्रोल रूम भी गठित किया गया है। इस कंट्रोल रूम में उप संचालक डॉ. के एस बघेल मोबा. 9009926988, जिला नोडल अधिकारी डॉ. बी पी शर्मा मोबा. 9826503473 तथा सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आर पी शर्मा मोबा. 9009173398 पर कोई भी व्यक्ति सूचना देकर जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही विकासखंड मुरार के लिये डॉ. जी एस दुबे मोबा. 8319204003, विकासखंड डबरा के लिये डॉ. एन बी खान मोबा. 8120047600, विकासखंड घाटीगाँव के लिये डॉ. अवनीश शर्मा मोबा. 9926288390 और विकासखंड भितरवार के लिये डॉ. बी एल स्वर्णकार मोबा. 9425063852 पर संपर्क कर बीमार गायों के संबंध में जानकारी एवं सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। नगरीय क्षेत्र में आवारा पशुओं, घायल पशुओं और बीमार पशुओं के संबंध में नगर निगम के कंट्रोल रूम 0751-2438358 पर कोई भी नागरिक सूचना देकर सहयोग प्राप्त कर सकता है।

लम्पी रोग के लक्षण एवं सुझाव : लम्पी रोग से पशुओं को शुरू में बुखार आता है और वे चारा खाना बंद कर देते हैं। इसके बाद चमड़ी पर गाँठें दिखाई देने लगती है, पशु थका हुआ और सुस्त दिखाई देता है, नाक से पानी बहना एवं लंगड़ा कर चलता है। यह लक्षण दिखाई देने पर पशुपालक तुरंत अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय या पशु औषधालय से संपर्क कर बीमार पशुओं का उपचार कराएँ। पशु सामान्यतः 10 से 12 दिन में स्वस्थ हो जाता है।

अच्छा और सच्चा मित्र भी इन्सान को बड़े नसीब से मिलता हैः मुनिश्री

अमावस्या पर मुनिश्री के सानिध्य में जैन त्रिशलगिरी पर वार्षिक जैन मेला आज लगेगा

चातुर्मास स्थल पर शाम को दीप प्रज्वलित कर भक्तामर महिमा का गुड़गान कर रहे है

ग्वालियर। मैत्री मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है, आज के युवाओं को सबसे ज्यादा किसी की महसूस जरूरत होती है तो वो है दोस्त। अच्छा और सच्चा मित्र भी इन्सान को बड़े नसीब से मिलता है। सच्चे मित्र की कुछ विशेषताएं ये हैं कि वो सदैव अपने मित्र को पापों से दूर रखता है, अपने मित्र के अवगुणों को छिपाकर सबके सामने उसके गुण प्रकट करता है, आपत्ति में अपने मित्र को सहयोग प्रदान करता, संकट में सदैव उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज शनिवार को जयेंद्रगंज में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि दोस्ती में कभी भी और कहीं भी स्वार्थ व कपट का स्थान नहीं होता है, कपटी और स्वार्थी मनुष्य कभी किसी का सच्चा मित्र हो ही नहीं सकता है। भले ही एक दोस्त हो, लेकिन अच्छे विचारों वाला हो। जहां दोस्ती में स्वार्थ पनपने लगता है, वहीं से दोस्ती की हत्या हो जाती है। हमारा आचरण संगति और जीवन आचरण पर टिका होता है।

वार्षिक जैन मेला आज लगेगा

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में उरवाई गेट स्थित जैन तीर्थ श्री दिगंबर जैन त्रिशलगिरी अतिशय पर 25 सितम्बर को अमावस्य पर वार्षिक जैन मेले का आयोजित होगा। श्री त्रिशलगिरी अतिशय क्षेत्र पर मुनिश्री के सानिध्य में 25 सितंबर को अमावस्य पर प्रातः 6ः00 बजे से भगवान जिनेंद्र का अभिषेक शांतिधारा, मंगल प्रवचन एवं राजेश मुकेश जैन, पिंटू दिनेश जैनपरिवर की ओर से शांति विधान आयोजित किया जाएगा। मेले में आने वाले भक्तों को विशाल भंडार प्रसादी वितरण की जाएगी।

प्रजातंत्र में सत्ता के सिंहासन पर बहुतों ने राज किया, पर बिरले होते हैं जो दिल के सिंहासन पर राज करते हैं : पवैया

ग्वालियर । देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में सेवा पखवाड़ा के तहत विधि प्रकोष्ठ महानगर ग्वालियर की प्रबुद्धजन संगोष्ठी में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा महाराष्ट्र के सह प्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि प्रजातंत्र में सत्ता के सिंहासन पर बहुतों ने राज किया, पर बिरले होते हैं जो दिल के सिंहासन पर राज करते हैं । नरेंद्र मोदी जी ने कोटि-कोटि भारतीयों का विश्वास जीता है । भाजपा विधि प्रकोष्ठ की संगोष्ठी का आयोजन सुख सागर होटल, झांसी रोड पर पर हुआ।

प्रबुद्धजन संगोष्ठी के मुख्य वक्ता व महाराष्ट्र के सह प्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि मोदी सामान्य से असामान्य व्यक्तित्व है और असंभव को संभव कर देने वाले करिश्माई नेता है ।

उन्होंने कहा कि मोदीजी ने 370 का उन्मूलन और राम मंदिर का निर्माण, 7 करोड़ घरों तक शौचालय, करोड़ों आवासहीनों को घर देने से लेकर विश्व के सबसे लोकप्रिय और शक्तिशाली नेताओं की अग्रिम पंक्ति में है।

पवैया ने आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता कर्मियों के चरण धोकर सामाजिक समता की प्रेरणा दी। वहीं उन्होंने मेक इन इंडिया की पहल करके भारत को विश्व का बाजार बनने से बचाया है ।

विशिष्ट अतिथि सांसद विवेक नारायण शेजवलकर उच्च न्यायालय संघ के अध्यक्ष एमपीएस रघुवंशी प्रदेश सह संयोजक कार्यक्रम का संचालन दिलीप अवस्थी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी कार्यक्रम आयोजन स्वागत भाषण विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक धर्मेंद्र नायक जी आभार जिला सह संयोजक संजय सिंह कुशवाह ने व्यक्त किया ।

इस संगोष्ठी में महानगर के अनेक वरिष्ठ अभिभाषक सहित बड़ी संख्या गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478